संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 267
पृष्ठ 8
रविवार
16 जून 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मी के लिए परफेक्ट हैं ...
विचार- गठबांन राजनीति की मजबूरियां
खेल- नेपाल टी२० विश्व कप में एक ...

इटली के जी-7 शिखर सम्मेलन से वापस लौटे पीएम मोदी, बोले

विश्व मंच पर प्रस्तुत किया भारत का दृष्टिकोण

नयी दिल्ली, एजेंसी। इटली में जी7 शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें भारत को बतौर आउटरीच सत्र में प्रतिभाग किया। इस सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और फ्रांस के साथ ही यूरोपीय यूनियन शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि इटली की पीएम मेलोनी के निमंत्रण पर मैं 14 जून को जी–7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के जाउंगा।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है लगातार तीसरे कार्यकाल में मेरी पहली यात्रा जी–7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली की है। आउटरीच सत्र में चर्चा के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, उर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर फोकस किया गया।

शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन जी–7 में शामिल मेजबान इटली के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और कनाडा ने चीन के खिलाफ दो संकल्पों को मंजूरी दी। इनमें उन संस्थाओं के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने का वादा किया है, जिन्होंने धोखाधड़ी से तेल की ढुलाई करके रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद की है।

पीएम मोदी के अलावा ये भी रहे आमंत्रित

जी–7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के अलावा मेलनी ने अल्जीरियाई राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने, केन्याई राष्ट्रपति विलियम रुटो और ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सईद को आमंत्रित किया है। अन्य अतिथियों में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैयब अर्दोआन शामिल रहे।

दक्षिण चीन सागर में ड्रैगन की हरकतों का विरोध

मसौदा बयान में कहा गया, हम दक्षिण चीन सागर में चीन के सैन्य बल और समुद्री मिलिशिया के खतरनाक इस्तेमाल और देशों की गहरे समुद्रों में नौवहन की स्वतंत्रता में बार–बार बाधा डालने, बलपूर्वक एवं धमकाने वाली गतिविधियों का विरोध करना जारी रखेंगे।

पीएम मोदी ने इनसे की मुलाकात

जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिडिसि एयरपोर्ट से भारत के लिए रवाना हो गए। इटली में उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पोप फ्रांसिस सहित कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात काफी चर्चा में रही।

चर्चा में रही फोटो और नमस्ते

इस सम्मेलन की एक फैमिली फोटो काफी चर्चाओं में आ गई है, जिससे साफ जाहिर होता है कि जी7 का सदस्य न होते हुए भी भारत का दबदबा कायम है।

पीएम मोदी साथ राष्ट्रपति मेलोनी की रही चर्चा

'आउटरीच नेशन' सत्र में दुनिया भर के नेताओं ने एक साथ फोटो खिंचवाई। जी7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री ने सभी देशों के साथ कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सेल्फी भी ली। उन्होंने फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा #सीआपी 28 में अच्छे दोस्त, #मेलोडी।

नमस्ते कर किया जार्जिया ने मेहमानों का स्वागत

वैश्विक नेताओं से मुलाकात करते हुए पीएम मोदी ने आज इटली की प्रधानमंत्री और जी7 शिखर सम्मेलन की मेजबान जार्जिया मेलोनी से मुलाकात की। खास बात यह है कि इटली की पीएम ने भारतीय अंदाज में नमस्ते करके पीएम मोदी का स्वागत किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा

अलकनंदा नदी में समाया यात्रियों को ले जा रहा टैम्पो

सीएम धामी ने घटना की जाँच के दिए आदेश।

उततराखंड, एजेंसी। रुद्रप्रयाग में बद्रीनाथ हाईवे के पास एक टेम्पो ट्रैवलर, जिसमें लगभग 17 यात्री सवार थे, गहरी खाई में गिर गई। एसडीआरएफ और पुलिस टीम द्वारा बचाव कार्य किया जा रहा है. टीम द्वारा अब तक दो घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट किया कि घायलों को चिकित्सा के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट को मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जनपद रुद्रप्रयाग में टेम्पो ट्रैवलर के दुर्घटनाग्रस्त होने का अत्यंत पीड़ादायक समाचार प्राप्त हुआ। स्थानीय प्रशासन व SDRF की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई है। घायलों को नजदीकी चिकित्सा केंद्र पर उपचार हेतु भेज दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने इंदिरा गांधी को ''मदर ऑफ इण्डिया'' करार दिया

त्रिशूर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को "मदर ऑफ इंडिया" करार दिया वहीं कांग्रेस के दिवंगत नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण को "साहसी प्रशासक" बताया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने करुणाकरण और मार्क्सवादी नेता ई.के. नयनार को अपना "राजनीतिक गुरु" भी बताया। गोपी यहां पुनकुन्नम स्थित करुणाकरण के स्मारक "मुरली मंदिर"जाने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। दिलचस्प बात है कि सुरेश गोपी ने करुणाकरण के बेटे एवं कांग्रेस नेता के मुरलीधरन को त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र से हराया है। मुरलीधरन 26 अप्रैल के चुनावों में त्रिकोणीय मुकाबले में तीसरे स्थान पर रहे थे।

अकाली दल नहीं लड़ेगा उपचुनाव

जालंधर, एजेंसी। जालंधर में 10 जुलाई को होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां सक्रिय हो गई हैं। बेशक अभी तक किसी भी पार्टी की ओर से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है लेकिन राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठकोंका सिलसिला जारी है। इस बीच सूत्रोंके हवाले से बड़ी खबर सामने आई है कि इस बार अकाली दल जालंधर वेस्ट में उपचुनाव नहीं लड़ेगा।

न्यूज

वीरेंद्र सचदेवा आप पर साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी एक नैतिकता विहीन राजनीतिक पार्टी है जिसके नेता संदीप पाठक और संजय सिंह से लेकर गोपाल राय और सुश्री आतिशी तक कोई नैतिक मूल्य नहीं रखते। दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, गोवा और पंजाब इन सभी 5 राज्यों में देश के मतदाताओं ने लगभग पूरी तरह से आम आदमी पार्टी को खारिज कर दिया है, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि आप नेता खुद को लोकतंत्र के लिए शहीद दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

अधीर रंजन ने दिया प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा!

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ली हार की जिम्मेदारी। पश्चिम बंगाल कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक नई भविष्यवाणी की है। उन्होंने भविष्यवाणी की है कि 9 जून को एनडीए सरकार बनने के बाद यह ज्यादा दिनों तक नहीं टिकेगी।

गोरखपुर में अब लोग देख सकेंगे बब्बर शेर

सीएम योगी ने चलो अंदर जाओ कहा, तो बाड़े में घुसे शेर

शक्ति होगा लखीमपुर के जंगल से आए बाघ का नाम

चिड़ियाघर भ्रमण के दौरान सीएम योगी ने लखीमपुर के जंगल से रेस्क्यू कर लाए गए बाघ का नामकरण किया। बाघ का नाम उन्होंने शक्ति रखा। नामकरण के बाद बाड़े के अंदर यह बाघ काफी देर तक दहाड़ता रहा।

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (गोरखपुर चिड़ियाघर) में बब्बर शेर ष्भरतष और शेरनी ष्गौरीष को बाड़े में प्रवेश कराया। इन दोनों दुर्लभ वन्यजीवों को मई माह के अंतिम सप्ताह में इटावा लायन सफारी से लाया गया था। मुख्यमंत्री द्वारा इन्हें बाड़े में छोड़े जाने के बाद अब चिड़ियाघर आने वाले दर्शक बब्बर शेर की इस जोड़ी का दीदार कर सकेंगे। इनकी दहाड़ का भी रोमांच ले सकेंगे। इसके पहले दो जून को भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चिड़ियाघर का भ्रमण करने आए थे। तब उन्होंने बब्बर शेर पांच साल के भरत और शेरनी सात साल की गौरी को देखने के साथ उनके बारे में जानकारी हासिल की थी।

उल्लेखनीय है कि गोरखपुर चिड़ियाघर से सीएम योगी को बहुत लगाव है। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह यहां वन्यजीवों को देखने और उनके देखभाल की जानकारी लेने आते हैं। शनिवार को वह बब्बर शेर की जोड़ी भरत और गौरी को बाड़े में छोड़ने आए। मुख्यमंत्री के साथ वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना भी उपस्थित थे। जैसे ही सीएम ने क्रॉल का गेट खोलकर यह कहा, चलो जाओ, बब्बर शेर दौड़ते हुए बाड़े में चला गया।

बच्चों से मुलाकात की मुलाकात, अभिभावक जैसे दी नसीहत

चिड़ियाघर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां आए वनटांगिया बस्ती, पूर्व माध्यमिक विद्यालय जंगल तिकोनिया नम्बर तीन के बच्चों से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें आशीर्वाद दिया। उन्हें चॉकलेट भी गिफ्ट की। इस दौरान उन्होंने अभिभावक जैसे बच्चों को समझाया कि चॉकलेट का रैपर या अन्य कूड़ा इधर उधर न फेंकें, डस्टबिन में ही डालें। गर्मी को देखते हुए खूब पानी पीते रहें। मुख्यमंत्री ने यहां लायन थीम पर फेस पेंटिंग कराए कुछ बच्चों से खूब हंसी ठिठोली की। मुख्यमंत्री के साथ महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, डीएफओ एवं चिड़ियाघर के निदेशक विकास यादव आदि भी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड में आठ नक्सली ढेर, एक जवान शहीद और दो घायल

नारायणपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़–महाराष्ट्र राज्य की सीमा पर नारायणपुर के अबूझमाड़ के कुतुल इलाके में शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच फिर से मुठभेड़ शुरू हुई। पिछले दो दिनों से पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गये है और एक जवान शहीद और दो जवसन घायल हो गये हैं। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज ने बताया कि बुधवार को नक्सली विरोधी संयुक्त अभियान में नारायणपुर, बस्तर, कोण्डागांव, कांकेर, दंतेवाड़ा जिला में रिजर्व पुलिस फोर्स, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल और तिब्बत सीमा सुरक्षा बल के जवान शामिल हैं।

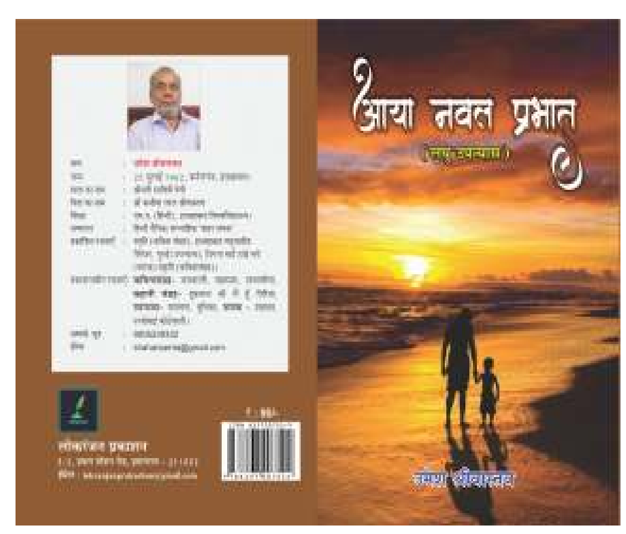

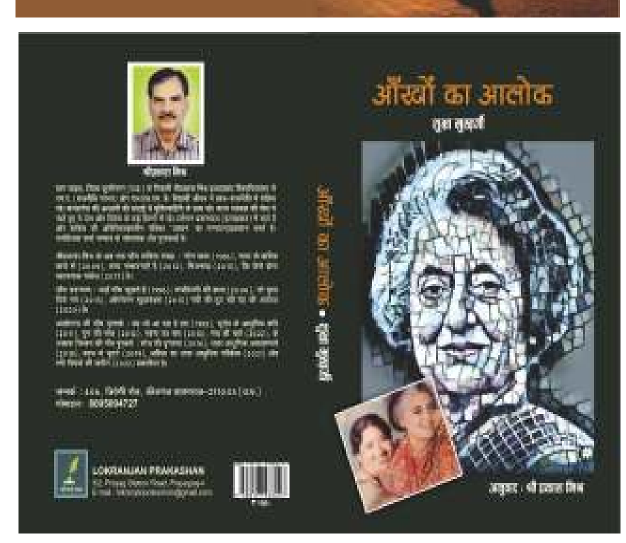

दिल्ली से वापस लौटे येदियुरप्पा, गैर-जमानती वारंट जारी होने पर बोले

मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा

कर्नाटक, एजेंसी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा पर एक नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है। यह आरोप नाबालिग की मां ने पॉक्सो एक्ट के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। अब येदियुरप्पा के खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी किया गया है। इस पर भाजपा नेता ने प्रतिक्रिया दी है। इस मामले में येदियुरप्पा ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, ष्मैं एक निर्धारित कार्यक्रम के तहत दिल्ली गया था। मैंने पहले ही बता दिया था कि इस महीने की 17 तारीख को मैं सुनवाई के लिए आऊंगा। हाई कोर्ट ने भी निषेधाज्ञा जारी कर दी। मैं सोमवार को सुनवाई के लिए जाऊंगा।ष कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता ने कहा, ष्उन्होंने केवल भ्रम पैदा करने का काम किया। मैं किसी से शिकायत नहीं कर रहा हूं। लोग जानते हैं कि सच्चाई क्या है। जनता षड़यंत्र रचने वालों को सबक सिखाएगी। उन्होंने आगे कहा, ष्कुछ जरूरी काम था, इसलिए मैं दिल्ली गया। मैंने संबंधित लोगों को बताया था कि मैं 17 को आऊंगा। सभी को सबकुछ मालूम है और मुझे न्यायालिका पर पूरा भरोसा है। मुझे न्याय मिलेगा। मैं कोर्ट के समक्ष 17 जून को पेश

नन्द किशोर सिंह पी.जी. कालेज
सम्बद्ध : प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज
धनूहा, चाका, नैनी, प्रयागराज
आवश्यकता है सहाचार्यों की
बी.एड. – सहाचार्य – 15 पद
वेतन एवं योग्यता यूजीसी/ शासन/ विश्वविद्यालय के मानकानुसार
विज्ञापन के 7 दिवस के अन्दर महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में आवेदन जमा करें।
मो0 नं0 - 9838868000

साहित्यांजलि प्रकाशन द्वारा पत्रकार-साहित्यकार उमेश चन्द श्रीवास्तव सम्मानित

प्रयागराज। ष्साहित्यांजलि प्रकाशनष के तत्वावधान में सिबिल लाइन्स स्थिति कार्यालय में साहित्यकार श्याम फत्तनपुरी की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में प्रतिष्ठित पत्रकार ष्शहर समताष समाचारपत्र के संपादक उमेश श्रीवास्तव को अंग–वस्त्र एवं स्मृति–चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगेन्द्र कुमार मिश्र ष्विश्वबन्धुष ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन साहित्यकारों में उमंग–उल्लास का संचार करते हैं।

उक्त अवसर पर एक काव्य–गोष्ठी आयोजित हुई। प्रकाशन के प्रोपराइटर डा0 भगवान प्रसाद उपाध्याय ने कार्यक्रम का संचालन किया।प्रदीप सिंह पत्रकार ने समस्त साहित्यकार बन्धुओं का शब्द–सुमनों से स्वागत तथा डा0 रामलखन चौरसिया ने आभार ज्ञापित किया।इस अवसर पर वरिष्ठ कवि शम्भूनाथ श्रीवास्तव ष्शम्भुष वरिष्ठ फोटोग्राफर अरविंद मालवीय,वरिष्ठ शायर अजय मालवीय,कवि रजनीश पांडेय,रायबरेली एवं कवि पं0 राकेश मालवीय जी उपस्थित रहे।

प्रयागराज में आज 46.9 डिग्री पहुंचा तापमान

प्रयागराज। इन दिनों पूरे देश में सबसे गर्म शहरों की बात की जाए तो लगातार प्रयागराज सबसे टॉप पर चल रहा है। यहां दिन ही नहीं रात में गर्मी का प्रकोप बढ़ा है। बीती शुक्रवार की रात सबसे गर्म रिकार्ड की गई है। यानी इसके पहले आज से 127

साल पहले 1998 में इतनी गर्म रात हुई थी। न्यूनतम तापमान 34. 3 डिग्री रहा। कल शुक्रवार को प्रयागराज देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां का अधिकतम तापमान 46.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। आज शनिवार को भी यही स्थिति रही। सुबह ही तापमान 35 डिग्री के पार पहुंच गया था। आज तेज लू चल रही है। इसकी वजह से बाजारों में सन्नाटा रहा। अनुमान है कि आज भी प्रयागराज सबसे गर्म शहरों की सूची में सबसे सबसे टॉप पर रहेगा।

अभी 4–5 दिनों तक गर्मी से कोई राहत नहीं

प्रयागराज रेड अलर्ट सिटी में है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अभी 4–5 दिनों तक गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने वाली है। दिन का तामपान अभी 46 डिग्री तक और रात का तापमान 34 डिग्री के आसपास ही बना रहेगा। 20 जून के बाद से कुछ राहत मिल सकती है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग के प्रोफेसर एआर सिद्दीकी का कहना है कि प्रयागराज में 22 जून के आसपास मानसून आ सकता है।

8 जून से लगातार 45–46 डिग्री तक बना रहेगा तापमान

वैसे 25 मई से जब नौतपा की शुरूआत हुई, तभी से यहां गर्मी विकराल रूप में दिखाने लगी। वहीं 8 जून से यहां गर्मी इस कदर बढ़ गई कि प्रयागराज देश का सबसे गर्म शहरों की सूची में सबसे पहले नंबर पर आ गया है। 11 जून तक यह शहर टॉप पर रहा। 12 और 13 जून को यह दूसरे नंबर पर आ गया। लेकिन 14 जून को प्रयागराज फिर सबसे गर्म शहरों में पहले पर आ गया।

अशोक कुमार मई महीने के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी बने

10 मई को मालगाड़ी को डिरेल होने से बचाया था

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के जीएम रवीन्द्र गोयल ने रेलवे

अधिकारियों और कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी जेसीएस. बोरा और उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झांसी, आगरा और प्रयागराज मंडल से चयनित रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में सुमित कुमार शर्मा प्वाइंट्स मैन,अगोरी खास प्रयागराज मंडल, रामबरन बिन्द प्वाइंट्स मैन विन्ध्याचल, सतविंदर संह लोको पायलट मेल झांसी मण्डल, दीपक कुमार साहू सहायक लोको पायलट झांसी, सोनू कुमार ट्रैक मेन्टेनर शिकोहाबाद, जगदीश ट्रैक मेन्टेनर जाजऊ आगरा मण्डल व अशोक कुमार ट्रैक मेन्टेनर जाजऊ आगरा मण्डल शामिल हैं।

बडा हादसा होने से बचाया था : अशोक कुमार को मई–2024 के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अशोक ने 10 मई को ड्यूटी के दौरान गेट संख्या 478–ए से मालगाड़ी को पास होते समय गाड़ी में हैंगिंग पार्ट (आयरन चेन) को देखा। जो रेलवे ट्रैक से रगड़ रही थी, जिसके कारण रेलवे ट्रैक की स्लीपर खुलती जा रही थी। अशोक कुमार द्वारा सूझबूझ दिखाते हुए अपने पर्यवेक्षक व स्टेशन मास्टर जाजऊ को सूचित किया गया। इससे बड़ा हादसा होने से बच गया।

अर्द्ध सैनिक बलों में कांस्टेबल भर्ती के बढ़ गए 20,471 पद, पिछले साल लिए गए थे आनलाइन आवेदन

प्रयागराज। अर्द्ध सैनिक बलों में भर्ती के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की ओर से आयोजित सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) की सिपाही भर्ती परीक्षा – 2024 का परिणाम अब तक नहीं आया। उससे पहले पदों की संख्या में 20,471 की बढ़ोतरी कर दी गई है। भर्ती के बीच में पद बढ़ने से अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी का मौका मिल सकेगा। अगले कुछ दिनों में इस भर्ती का परिणाम जारी किया जा सकता है। बीएसएफ,

सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, आईटीबीपी, असम राइफल्स और एसएसएफ में सिपाही भर्ती का विज्ञापन एसएससी ने 24 नवंबर को जारी किया था। उस समय पदों की संख्या 26,146 घोषित की गई थी। इन पदों के लिए 31 दिसंबर तक आवेदन लिए गए थे। रिक्त पदों के सापेक्ष देशभर से 46,47,646 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इसमें से यूपी और बिहार के 15,20,290 अभ्यर्थी हैं। इनकी आनलाइन परीक्षा 20 फरवरी से सात मार्च 2024 तक कराई गई थी। परीक्षा के लिए यूपी और बिहार के 19 शहरों में 97 केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा में 10,70,339 अभ्यर्थी शामिल हुए। एक घंटे की आनलाइन परीक्षा प्रतिदिन चार पाली में कराई गई। अब इसका परिणाम आने वाला है, उससे पहले पदों की संख्या में भारी बढ़ोतरी कर दी गई है। बढ़ोतरी होने के बाद पुरुषों के 41,467 और महिलाओं 5,150 पद हो गए हैं। बढ़े पदों के सापेक्ष परीक्षा का परिणाम जारी होगा। इसमें सफल होने वालों का फिजिकल और मेडिकल होगा। उसके बाद रिक्त पदों के सापेक्ष अंतिम परिणाम जारी किया जाएगा।

कितने पदों पर होगी भर्ती

बीएसएफ – 12,076 पद

सीआईएसएफ– 13,632 पद

सीआरपीएफ– 9,410 पद

एसएसबी– 1,926 पद

आईटीबीपी– 6,287 पद

असम राइफल्स– 2,990 पद

एसएसएफ– 296 पद

40 साल पहले हत्या, बरी हुआ 71 साल का दोषी

हाईकोर्ट ने दिया फैसला–1981 में गाजीपुर में हुई थी हत्या, 3 दोषियों की हो चुकी मौत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर में हुई हत्या के एक मामले में 71 साल के व्यक्ति को बरी कर दिया। तीन अन्य आरोपियों के साथ इस व्यक्ति को भी 1981 के हत्या मामले में दोषी ठहराया गया था। बरी किया गया दोषी मो. मोफीद 1985 से जमानत पर था। जबकि 3 अन्य दोषियों– खलील, जहीर और जैनुद्दीन की सजा के खिलाफ अपील के लंबित रहने के दौरान मृत्यु हो गई थी। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपने मामले को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। हत्या का यह मामला गाजीपुर जिले के थाना जमानियां का था।

आत्मसमर्पण की जरूरत नहीं : हाईकोर्ट ने दोषी मोफीद को बरी कर निर्देश दिया कि गाजीपुर के अपर सत्र न्यायाधीश का आक्षेपित निर्णय और आदेश को रद्द किया जाता है। जीवित अपीलकर्ता मोफीद को धारा 302/34 आईपीसी के तहत आरोप से बरी किया जाता है। उसे आत्मसमर्पण करने की आवश्यकता नहीं है। जमानत बांड रद्द किए जाते हैं और जमानतदारों को मुक्त किया जाता है।

1981 में हुई थी शहाबुद्दीन की हत्या

मोफीद, खलील, जहीर और

जैनुद्दीन पर 1981 में शहाबुद्दीन नामक व्यक्ति की हत्या का आरोप था। सभी आरोपी करीबी रिश्तेदार थे और कथित तौर पर उन्होंने देशी पिस्तौल और अन्य हथियारों से पीड़ित की हत्या कर दी थी। जांच में पता चला कि हत्या से पहले खलील ने बम्बई में शहाबुद्दीन से 56,000 रुपये की रकम चुराई थी और वहां पुलिस ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। जमानत पर रिहा होने के बाद खलील गांव वापस आ गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, खलील और अन्य ने शहाबुद्दीन की हत्या तब की जब चोरी के मामले में समझौता करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी।

1983 में दोषी ठहराए गए थे : 1983 में दोषी ठहराए जाने के बाद चारों अपीलकर्ताओं ने हाईकोर्ट में संयुक्त अपील दायर की। इस पर आखिरकार सुनवाई हुई और इस साल फरवरी में फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। जीवित अपीलकर्ता मोफीद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने तर्क दिया कि उसे केवल पीड़ित पर लाठी से हमला करने की भूमिका सौंपी गई थी। वकील ने तर्क दिया कि उसे झूठा फंसाया गया क्योंकि वह आरोपी का रिश्तेदार था। कोर्ट ने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि न तो जांच अधिकारी और न ही मृतक के शव का पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने कहीं भी यह उल्लेख नहीं किया है कि शव पर मिट्टी लगाई गई थी। इससे अभियोजन पक्ष द्वारा बताए गए घटनास्थल पर गंभीर संदेह पैदा होता है। यह भी पाया गया कि एक प्रत्यक्षदर्शी ने विरोधाभासी बयान दिया था कि जिस स्थान पर पीड़ित पर हमला किया गया था, वह ईंटों से ढका हुआ था। इस प्रकार, न्यायालय ने कहा कि इस बिंदु पर प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और जांच अधिकारी के साक्ष्य में असंगति थी। न्यायालय ने यह भी पाया कि मामले में पीड़ित के खिलाफ इस्तेमाल किये गये हथियार बरामद नहीं किए गए। कोर्ट ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दर्शाई गई आग्नेयास्त्र से लगी चोटें एक ही गोली से नहीं लगी हैं। यहां तक घ्धकि छर्रे बिखरने के कारण भी नहीं है। घावों की बारीकी से जांच करने पर और अदालत की राय में आग्नेयास्त्र से लगी चोटों के संबंध में मिले साक्ष्य और चिकित्सा साक्ष्य के बीच स्पष्ट असंगति थी।

हत्या के बाद युवक के शव को सड़क पर रखकर किया चक्काजाम, आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने पर अड़े

प्रयागराज। बारा थाना क्षेत्र के भेलाव में शुक्रवार की सुबह युवक की हत्या गोली मारकर की गई थी। शनिवार की सुबह परिजन और ग्रामीणों ने कई मांगों को लेकर लोहगरा गांव के सामने बांदा राजमार्ग पर

लाश रखकर चक्का जाम कर दिया था। जाम की सूचना पर पुलिस पहुंची अक्रोशित लोगो को समझाने का प्रयास किया लेकिन बात नही बनी।कुछ समय बाद डीसीपी यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पांडे, एसडीएम बारा दिग्विजय सिंह पहुंचकर परिजनों से वार्ता किया। मांगों को लिखित में प्रशासन ने परिजनों को दिया तब जाकर लगभग एक घंटे बाद धरना खत्म हुआ। मांग पत्र में बच्चों और पत्नी को आर्थिक मदद, परिवार को सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस, राष्ट्रीय पारिवारिक सहायता, बच्चो के शिक्षा की समुचित व्यवस्था, आरोपियों के घर का त्वरित ध्वस्तीकरण, मृतक की महिला को विधवा पेंशन और फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी आदि मांगें शामिल रही।

पिता के सामने गोली मारकर कर दी गई थी हत्या

बारा थाना क्षेत्र के भेलाव गांव में पुरानी रंजिश के कारण शुक्रवार सुबह मनीष मिश्रा (26) की पिता के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के वक्त मनीष खेत में जुताई कर रहा था। गांव के ही रहने वाले साकेत बिहारी पांडेय उर्फ राजेश, आकाश पांडेय, दीपक पांडेय और श्यामा कांत पांडेय ने वारदात को अंजाम दिया। बारा थाना पुलिस ने मृतक के पिता संतोष मिश्रा की तहरीर पर उक्त आरोपियों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने एक आरोपी दीपक पांडेय को गिरफ्तार किया है। परिजन सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं।

भेलाव निवासी मनीष मिश्रा अपने पिता संतोष मिश्रा के साथ गांव के ही पास खेत में धान की नर्सरी डालने के लिए खेत की जुताई कर रहा था। इस दौरान मनीष ट्रैक्टर चला रहा था। तभी, साकेत बिहारी पांडेय समेत अन्य आरोपी राइफल व तमंचे से लैस होकर खेत पहुंचे। पिता–पुत्र को मारने की नियत से चारों तरफ से घेर लिया। अपने बचाव के लिए पिता–पुत्र ने भागने का प्रयास किया। लेकिन, इस बीच हमलावरों ने मनीष को तीन गोली मार दी थी। पहली गोली मनीष की हथेली पर लगी। दूसरी गोली पीठ पर मारी गई। जब वह जमीन पर गिर गया तो तीसरी गोली सिर में मार दी। परिवार के लोगों को आते देख हमलावर फरार हो गए।

होली पर हुआ था विवाद

परिजनों के मुताबिक, मनीष और राजेश पांडेय के बीच होली पर मामूली विवाद हुआ था। मृतक के पिता संतोष ने बताया कि राजेश शराब के नशे में विवाद के बाद मारपीट किया था। उसके बाद कोई विवाद नहीं हुआ। शायद उक्त आरोपियों की इसी बात की रंजिश थी। वहीं, बारा थाना प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि उस दौरान दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई थी। उसके बाद किसी प्रकार की शिकायत नहीं दी गई थी।

रोजगारपरक शिक्षा देगा इलाहाबाद विश्वविद्यालय

यूनिवर्सिटी में 18 सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू, हर उम्र के लोग ले सकते हैं एडमिशन

प्रयागराज। पीएम मोदी के स्किल इंडिया विजन के तहत इलाहाबाद विश्वविद्यालय अब स्टूडेंट्स के साथ आम लोगों को भी

जॉब ओरिएंटेड एजुकेशन देगा। कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की प्रेरणा से 15 सप्ताह के कुल 18 कौशल आधारित सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू किए गए हैं। कोर्स का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। खास बात यह है कि इन कोर्सों में यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स के साथ ही कोई भी एडमिशन ले सकता है। प्रवेश के लिए न उम्र की सीमा है और न ही रेगुलर यूनिवर्सिटी आने की बाध्यता। विद्यार्थी ऑनलाइन ही पाठ्यक्रम पूरा कर सकेगा। सभी पाठ्यक्रमों को NEP (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) के आधार पर विकसित किया गया है।

विदेशी भाषाएं खोलेंगी रोजगार के द्वार

विदेशी भाषाओं में भी सर्टिफिकेट प्रोग्राम करवाए जाएंगे। इसमें फ्रेंच, जर्मन, अरबी, मंदारिन, रूसी प्रमुख हैं। इन भाषाओं को सीखने के बाद कोई भी विद्यार्थी देश–विदेश में अपने अनुरूप रोजगार सृजित करने में समर्थ होगा। इस पाठ्यक्रम को भारतीय सेना के अधिकारियों और रोजगार के लिए विदेश जा रहे लोगों की जरूरत के अनुसार विकसित किया गया है, जिससे वे लाभान्वित हो सकेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थी 'संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास' के गुर भी सीखेंगे जिससे वे एक कुशल संचालक बन सकें।

जानिए, कैसे ले सकेंगे प्रवेश

विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रो. जया कपूर ने बताया कि सर्टिफिकेट प्रोग्रामों में वर्ष में दो बार प्रवेश होंगे। इन पाठ्यक्रमों में अगस्त के प्रथम सप्ताह तक एवं जनवरी में द्वितीय सप्ताह तक प्रवेश ले सकेंगे। इस संबंध में समस्त जानकारी प्रवेश भवन से प्राप्त की जा सकती है।

ये हैं सर्टिफिकेट प्रोग्राम

भारतीय संस्कृति और विरासत (इंडियन कल्चर एंड हैरिटेज)

कंप्यूटर अनुप्रयोग (कंप्यूटर अप्लीकेशन)

बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक्स (बेसिक इलेक्ट्रानिक्स)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में खोजें (डिस्कवरीज इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी)

विदेशी भाषाएं : फ्रेंच, जर्मन, अरबी, मंदारिन, रूसी (फॉरेंन लैग्विजेज : फ्रेंच, जर्मन, अरेबिक, मंदारिन एंड रसियन)

भारतीय संविधान के मूल सिद्धांत (बेसिक प्रिंसिपल्स ऑफ इंडियन कांस्टीट्यूशन)

वित्तीय निवेश रणनीतियां (फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटजीज)

संगीत (सितार)

संगीत (तबला)

औषधीय पौधे (मेडिसिनल प्लांट)

स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और योग (हेल्थ, हाइजीन, न्यूट्रीशन एंड योगा)

मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ)

बेकरी और कन्फेक्शनरी तकनीक

पुष्प सज्जा कला (फ्लोरिट्री आर्ट)

कढ़ाई कौशल : हाथ से डिजिटल तक (इंब्रोइडरी स्किल : हैंड टू डिजिटल)

ड्रेस डिजाइनिंग

भाषा प्रवीणता और व्यक्तित्व विकास (लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट)

कुलपति बोलीं.. 5 हजार में होगा शुल्क

इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने बताया– विश्वविद्यालय में स्किल आधारित कई पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इन सर्टिफिकेट प्रोग्राम में केवल 5 हजार रुपए में पंजीकरण करवाकर दक्षता हासिल की जा सकती है। पाठ्यक्रमों को रोजगारपरक बनाया गया है। सभी पाठ्यक्रम लोगों की जरूरत को समझकर प्रारंभ किए गए हैं।

प्रयागराज में आपसी विवाद में 2 पक्षों में चली लाठियां

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार की शाम दो पक्षों में हुई मारपीट के दौरान मां की मौत हो गई। जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल है। घटना में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया औप मामले की जांच–पड़ताल में जुट गई। मामला फूलपुर के बसना खास का है। यहां की रहने वाली सावित्री का पड़ोसी

करण सिंह से विवाद चल रहा था। देर शाम किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में लाठी–डंडे चल गए। इस दौरान सावित्री देवी (48) और उसका बेटा जयप्रकाश सिंह (30) को गंभीर चोटें आई। परिजन घायलों को अस्पताल लेकर भागे। जहां डॉक्टरों ने सावित्री देवी को मृत घोषित कर दिया। बेटे जयप्रकाश सिंह को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वीडियो बनाने पर हुआ विवाद : ग्रामीणों ने बताया कि जय प्रकाश अपनी पत्नी के साथ पशुओं के लिए चारा बाल रहा था तो विपक्षी करण सिंह ने परिवार के एक लड़के ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया। जिसके बाद विवाद बढ़ गया और मारपीट होने लगी। जयप्रकाश की भी हालत चिंताजनक है। विपक्षी करण सिंह व बीनू सिंह को भी चोट आई हैं।

पुलिस ने दर्ज किया एफआईआर : इंस्पेक्टर फूलपुर दीनदयाल सिंह ने बताया कि मारपीट के बाद अस्पताल ले जाते समय महिला की जान गई है। आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

पीसीएस–जे के सभी अभ्यर्थी अब देख सकेंगे अपनी कॉपी

उप्र लोक सेवा आयोग ने पहली बार लिया गया ऐसा निर्णय, आयोग खत्म करेगा अभ्यर्थियों की शंका

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने बड़ा निर्णय लिया है। पीसीएस–जे मुख्य परीक्षा– 2022 के सभी 3019 अभ्यर्थियों को उनकी उत्तर पुस्तिकाओं को दिखाने का फैसला

लिया है। इस परीक्षा को लेकर आयोग जो विवादों से घिरा था, वह शंका खत्म करने के उद्देश्य से यह बड़ा निर्णय लिया गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि जब किसी भर्ती परीक्षा के सभी अभ्यर्थियों को उनकी उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई जाएंगी। दरअसल, अभ्यर्थी श्रवण पांडेय के मामले में आयोग ने उत्तर पुस्तिकाओं की फिर से जांच कराने का हलफनामा दिया था। इसी क्रम में आयोग ने अब सभी को उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने की भी घोषणा कर दी है।

20 जून से चलाया जाएगा विशेष अभियान

उत्तर पुस्तिकओं को दिखाने के लिए आयोग की ओर से अभियान चलाया जाएगा। कॉपियां 20 जून से 30 जुलाई तक दिखाई जाएंगी। आयोग की ओर से इसके लिए रोल नंबर के अनुसार कार्यक्रम जारी किया गया है। परीक्षा नियंत्रक हर्ष देव पांडेय की ओर से देर रात जारी विज्ञप्ति के अनुसार, प्रत्येक कार्यदिवस में चार सत्रों सुबह 10:30, 11:30, 2:30 और 3:30 में कॉपियां दिखाई जाएंगी। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्रों के अनुरूप आयोग परिसर स्थित सरस्वती भवन में निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र देकर उत्तरपुस्तिकाओं को देख सकेंगे। अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए जारी प्रवेश पत्रध् साक्षात्कार–ज्ञाप, अंकतालिका तथा उसके साथ आधार कार्ड या फोटोयुक्त कोई प्क प्रूफ (ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी, पासपोर्ट आदि) दिखाने पर आयोग परिसर में प्रवेश मिलेगा।

जिन्हें पहले से तारीख दी गई है वह स्वतरू निरस्त

कुछ अभ्यर्थियों ने त्ज्प् लगाकर अपनी कॉपियां देखने की मांग की थी। इसके लिए आयोग ने उन्हें तारीख निर्धारित कर दिया था लेकिन अब तारीख निरस्त कर दी गई है। वह अभ्यर्थी भी नए सिरे से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर अपनी कॉपियां देख सकेंगे। आयोग ने अभ्यर्थियों को निर्देशित किया है कि वह निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होकर अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन अवश्य कर लें। आयोग भविष्य में उत्तर पुस्तिकओं को देखने के लिए आरटीआई के तहत प्रार्थना–पत्रोंध् प्रत्यावेदनों पर विचार नहीं करेगा।

दो माह परीक्षा नहीं दे पाएंगे रेडियोलॉजी के 52 छात्र, अनुशासनहीनता के मामले में कार्रवाई

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में परीक्षा के दौरान तीन छात्रों के पास मोबाइल फोन मिलने के बाद हंगामे में लिप्त रेडियोलॉजी के 52 विद्यार्थी दो माह परीक्षा नहीं दे पाएंगे। जांच कमेटी ने यूपी स्टेट मेडिकल काउंसिल को अपनी रिपोर्ट भेज दी है। न्यूरो विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिलीप चौरसिया के नेतृत्व में गठित जांच टीम ने शुक्रवार को छात्रों का बयान लेने के साथ परीक्षा के दौरान हंगामे की सीसीटीवी फुटेज चेक की। इस दौरान 52 छात्र अनुशासनहीनता में लिप्त पाए गए। जांच टीम ने कहा कि कॉलेज में अनुशासनहीनता किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद इन छात्रों को दो माह के लिए परीक्षा देने से प्रतिबंधित कर दिया गया। मामले की रिपोर्ट यूपी स्टेट मेडिकल काउंसिल को भेज दी। ऐसे में अगर काउंसिल इस निर्णय पर सहमति देती है, तो छात्रों का एक साल खराब होना तय है। ऐसे में यह सभी छात्र मौजूदा परीक्षा देने से वंचित रह जाएंगे और फेल माने जाएंगे। गौरतलब है कि बुधवार को कॉलेज में रेडियोलॉजी विभाग की परीक्षा के दौरान तीन परीक्षार्थियों के पास मोबाइल फोन मिला था। इस कक्षा में 54 छात्र मौजूद थे। इस पर परीक्षार्थियों ने कॉलेज प्रशासन पर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में अधिक ड्यूटी कराने और पढ़ाई का समय न देने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने विद्यार्थियों को शांत कराकर परीक्षा फिर से शुरू कराई थी।

संक्षिप्त

असम में वर्ष 2027 तक 3,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य 2027 तक 3,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य बना रहा है। शर्मा ने डिब्रूगढ़ के नामरूप में 25 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखते हुए कहा कि यह पर्यावरण के प्रति राज्य का योगदान होगा। उन्होंने कहा, हम पहले से ही 200 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में हैं। इस वर्ष के भीतर बाकी क्षमता के लिए काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नामरूप संयंत्र 115 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा और चालू हो जाने पर यह हरित ऊर्जा व्यवस्था की तरफ राज्य की बहुआयामी रणनीति में शामिल हो जाएगा। असम पावर जनरेशन कॉरपोरेशन और ऑयल इंडिया लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम (जेवी) वाली इस परियोजना के जुलाई, 2025 तक पूरी होने की संभावना है। शर्मा ने कहा कि राज्य में फिलहाल सात सौर ऊर्जा संयंत्र संचालित हैं, जिनसे प्रतिदिन 175 मेगावाट बिजली पैदा होती है।

एयरटेल ने 2012, 2015 में मिले स्पेक्ट्रम के लिए 7,904 करोड़ रुपये का बकाया चुकाया

नयी दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने 2012 और 2015 में आवंटित स्पेक्ट्रम के लिए दूरसंचार विभाग को 7,904 करोड़ रुपये का पूरा बकाया चुका दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एयरटेल ने 2012 की नीलामी में 8.67 करोड़ रुपये और 2015 की नीलामी में 29,129 करोड़ रुपये मूल्य के स्पेक्ट्रम सरकार से हासिल किए थे।

एयरटेल ने एक बयान में कहा, "दूरसंचार विभाग को 7,904 करोड़ रुपये का पूर्व–भुगतान कर दिया गया है। इसके साथ ही कंपनी ने वर्ष 2012 और 2015 की नीलामी में प्राप्त स्पेक्ट्रम से संबंधित सभी स्थगित देनदारियों का पूर्ण भुगतान कर दिया है।" कंपनी ने कहा कि ये देनदारियां 2012 में हासिल स्पेक्ट्रम पर 9.75 प्रतिशत की दर से थीं जबकि 2015 की नीलामी में मिले स्पेक्ट्रम के लिए इसकी ब्याज दर 10 प्रतिशत थी। मार्च, 2024 के अंत तक एयरटेल का एकीकृत शुद्ध ऋण घटकर 2,04,646 करोड़ रुपये हो गया।

किशन रेड्डी अगले सप्ताह करेंगे कोयला खदान नीलामी के 10वें दौर की शुरुआत

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी अगले सप्ताह वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 10वें दौर की शुरुआत करेंगे। इसमें लगभग 62 ब्लॉकों की बिक्री की जाएगी। तेलंगाना से भाजपा नेता रेड्डी को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में कोयला के साथ खान मंत्रालय का भी कार्यभार सौंपा गया है। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, "नीलामी के 10वें दौर में लगभग 62

कोयला ब्लॉक को अंतिम उपयोगकर्ता प्रतिबंधों के बगैर लाए जाने की संभावना है।" रेड्डी ने कहा कि नीलामी में पूर्ण पारदर्शिता और राजस्व अधिकतमीकरण सुनिश्चित किया जाएगा। कोयला ब्लॉक की वाणिज्यिक नीलामी जून, 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेशुरू की थी। उसके बाद से अब तक नीलामी के कुल नौ दौर हो चुके हैं जिनमें 25.6 करोड़ टन क्षमता वाले 107 कोयला ब्लॉकों की नीलामी हुई है। अब तक 11 वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक चालू हो चुके हैं। पिछले साल वाणिज्यिक ब्लॉकों से 1.75 करोड़ टन कोयला उत्पादन हुआ था।

स्वास्थ्य बीमा खंड में प्रवेश का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं : एलआईसी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसका स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में कदम रखने का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं है। फिलहाल, जीवन बीमा कंपनियों को स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी जारी करने की अनुमति नहीं है। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी को साधारण बीमा कंपनी या एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनी ही बेच सकती हैं। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि फिलहाल, ऐसा कोई औपचारिक प्रस्ताव (निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनी के जरिये स्वास्थ्य बीमा का) नहीं लाया गया है। इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने कहा, एलआईसी सामान्य तौर पर विभिन्न रणनीतिक अवसरों का मूल्यांकन और अन्वेषण करती है, तथा रणनीतिक साझेदारी और निवेश अवसरों सहित अपने कारोबार की वृद्धि और विस्तार के लिए नए विकल्पों का भी मूल्यांकन और अन्वेषण करती है। उम्मीद है कि बीमा अधिनियम में संशोधन करके समग्र बीमा लाइसेंस की अनुमति दी जा सकती है। बीमा अधिनियम, 1938 और भारतीय बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण (इरडा) के नियमों के अनुसार, किसी बीमाकर्ता को एक इकाई के तहत जीवन, साधारण या स्वास्थ्य बीमा करने के लिए समग्र लाइसेंसिंग की अनुमति नहीं है।

नेपाल टी20 विश्व कप में एक और उलटफेर करने से चूका, दक्षिण अफ्रीका से 1 रन से हारा

दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 115 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से रीजा हेंड्रिक्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। नेपाल की तरफ से कुशाल भुर्तेल ने 19 रन देकर चार और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। नेपाल को मैच की अंतिम गेंद पर जीत के लिए दो रन की जरूरत थी।

किंग्सटाउन। नेपाल जीत के बेहद करीब पहुंचने के बावजूद टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा उलटफेर करने से चूक गया और दक्षिण अफ्रीका ने आखिर में एक रन से जीत दर्ज करके टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 115 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से रीजा हेंड्रिक्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। नेपाल की तरफ से कुशाल भुर्तेल ने 19 रन देकर चार और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। नेपाल को मैच की अंतिम गेंद पर जीत के लिए दो रन की जरूरत थी। अगर वह एक रन भी बना लेता तो मैच सुपर ओवर तक खिंच जाता लेकिन किशोर खिलाड़ी गुलशन झा तेजी से रन चुराने के प्रयास में रन आउट हो गए। इस तरह से नेपाल 7 विकेट पर 114 रन ही बना पाया। नेपाल के खिलाड़ी निराश थे क्योंकि उन्होंने आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य के खिलाफ 12 प्रयासों में पहली जीत दर्ज करने का सुनहरा अवसर गंवा दिया। नेपाल को एक समय 24 गेंद पर 22 रन की जरूरत थी। उसे अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 18 रन चाहिए थे लेकिन उसने छह गेंद और एक रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। इनमें से दो विकेट स्पिनर तबरेज शम्सी (19 रन देकर चार विकेट) ने लिए। नेपाल को अंतिम ओवर में आठ रन चाहिए थे। ओटनील बार्टमैन के इस ओवर में गुलशन पहली दो गेंद पर रन नहीं बना पाए इसके बाद उन्होंने चौका लगाया। जब नेपाल को तीन गेंद पर चार रन चाहिए थे तब गुलशन ने सोमपाल कामी के साथ दौड़ कर दो रन लिए। पांचवीं गेंद पर कोई रन नहीं बन पाया और अगली गेंद पर गुलशन रन आउट हो गए। आसिफ शेख के 42 रन और अनिल शाह के 27 रन की मदद से नेपाल लक्ष्य के करीब पहुंच पाया था। नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा,"आखिर में यह बेहद करीबी मुकाबला बन गया था। मुझे लगता है की महत्वपूर्ण मौकों पर हमने अच्छा प्रदर्शन किया। अगर हम बड़ी टीमों के खिलाफ लगातार खेलते रहे तो अगली बार हमारी जीत होगी।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे कोहली ? शिवम दुबे का कटेगा पत्ता!

जानें भारत की संभावित प्लेइंग 11

लॉडरहिल। भारतीय टीम ग्रुप ए के अपने आखिरी मैच में कनाडा से भिड़ने के लिए तैयार है। शनिवार को दोनों टीमों के बीच लॉडरहिल में टक्कर होगी। इस मुकाबले में भारतीय टीम अपनी जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। इस मैच में भारत के पास अपनी बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने का मौका है क्योंकि टीम इंडिया पहले ही सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा भारत की प्लेइंग 11 में बदलाव करेंगे या नहीं।भारत ने अब तक विश्व कप में अपने तीनों मैच न्यूयॉर्क में खेले हैं। नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए एक बुरा सपना रही। इस अस्थायी मैदान पर खेले गए आठ मैचों में कोई भी टीम 150 से अधिक रन नहीं बना सकी। अब भारत का सामना लॉडरहिल में कनाडा से होगा। इस मैच में भारतीय बल्लेबाज शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। भारत बनाम कनाडा मैच से पहले विराट कोहली की बैटिंग पोजीशन को लेकर अलग–अलग कयास लगाए जा रहे हैं। इस मुकाबले में वह नंबर तीन पर वापसी करेंगे या रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग जारी रखेंगे, यह देखना दिलचस्प होगा। दरअसल, किंग कोहली को सलामी बल्लेबाजी का मौका देने की वजह शिवम दुबे हैं। उन्हें भारत की प्लेइंग 11 में फिट करने के लिए कोहली को अब तक ओपनिंग पर भेजा गया है। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ी अब तक कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं। कोहली ने तीन मैचों में सिर्फ पांच रन बनाए हैं। वहीं, शिवम दुबे गेंद और बल्ले से फ्लॉप साबित हुए। इस स्थिति में टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है। कोहली की तीसरे नंबर पर अगर वापसी होती है तो यशस्वी जायसवाल को मौका मिलेगा।

कुलदीप को मिल सकता है मौका

ऋषभ पंत तीसरे नंबर पर खेलने के लिए तैयार हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव चौथे नंबर पर उतरेंगे। अमेरिका के खिलाफ हाल ही में उन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। पांचवें नंबर पर शिवम दुबे होंगे। छठे और सातवें नंबर पर क्रमशरू हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा उतरेंगे। इस मुकाबले में भारत एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की जगह स्पिनर कुलदीप यादव को आजमाना सकता है। कैरेबियाई पिचें स्पिन गेंदबाजी के लिए अनुकूल रहती हैं। ऐसे में भारत तीन स्पिनरों के साथ खेल सकता है। इस स्थिति में मोहम्मद सिराज कुलदीप के लिए जगह बना सकते हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण का जिम्मा जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर होगा। इसमें उनका साथ हार्दिक पांड्या भी देंगे।

पहली बार टी20 विश्व कप खेल रहा अमेरिका सुपर आठ में पहुंचा, पाकिस्तान बाहर

अमेरिका ने शुक्रवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ मैच रद्द होने के बाद अपने पहले ही प्रयास में टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण को पार करने के साथ ही पूर्व चौम्पियन पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

फोर्ट लाउडरहिल। अमेरिका ने शुक्रवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ मैच रद्द होने के बाद अपने पहले ही प्रयास में टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण को पार करने के साथ ही पूर्व चौम्पियन पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अमेरिका ने अपने पहले दो मुकाबलों में पड़ोसी देश कनाडा और मजबूत पाकिस्तान पर जीत दर्ज की थी। उसे भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा लेकिन ग्रुप ए में उसका आयरलैंड के खिलाफ आखिरी मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। इस मैच रद्द होने से वह ग्रुप से से भारत के साथ सुपर आठ चरण में पहुंच गया। अंपायरों ने कई बार मैदान का निरीक्षण करने के बाद आउटफील्ड गीली होने के कारण मैच को रद्द करने का फैसला किया। जिसका मतलब यह हुआ

कि पाकिस्तान की मजबूत टीम उस टूर्नामेंट से बाहर हो गई, जिसे उन्होंने 2009 में जीता था। अमेरिका ने ग्रुप लीग अभियान को चार मैचों में पांच अंकों के साथ समाप्त किया और पाकिस्तान अगर आयरलैंड के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीत भी जाता है तो अधिकतम चार अंकों तक पहुंच सकता है। पाकिस्तान रविवार को न्यूयॉर्क में भारत के खिलाफ जीत के लिए 120 रन का लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहा था। इससे पहले, डलास में अपने शुरुआती मैच में उसे अमेरिका से सुपर ओवर में करारी हार का सामना करना पड़ा था। अमेरिका ने लगभग टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में लगभग 200 रनों का पीछा करते हुए कनाडा पर शानदार जीत दर्ज की थी। उसने टी20 विश्व कप के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक में पिछले साल के उपविजेता पाकिस्तान को झटका दिया और फिर खिताब के प्रबल दावेदार भारत को कड़ी टक्कर दी। टीम ने इससे पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में बांग्लादेश को शिकस्त दी थी। फोर्ट लाउडरहिल फ्लोरिडा का हिस्सा है जो उष्णकटिबंधीय तूफान की चपेट में है।

सोना 70 रुपये तो चांदी 250 रुपये गिरी, वैश्विक बाजार में भी गिरी कीमत, जानें दाम

नई दिल्ली। वैश्विक रुख के अनुसार, सोना 70 रुपये गिर गया। सोने की कीमत 72,080 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। एक दिन पहले, इसकी कीमत 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। आज चांदी की कीमत में भी गिरावट देखी गई। चांदी 250 रुपये गिरकर 90,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। हालांकि, गुरुवार को चांदी 90,9950 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजार, कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,310 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद भाव से 3 डॉलर कम है। चांदी भी 29.05 डॉलर प्रति औंस पर कम होकर बोली जा रही थी। एक दिन पहले, यह 29.30 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी डॉलर में तेजी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रमक रुख के कारण शुक्रवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई है।

भारत का निर्यात नौ फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर, व्यापार घाटा 7 माह के शीर्ष पर

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत से वस्तुओं का निर्यात मई, 2024 में सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में देश से 34.95 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया गया था। व्यापार घाटा भी पिछले माह बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 23.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले अक्तूबर, 2023 में सर्वाधिक 31.46 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, कच्चे तेल की खरीदारी बढ़ने से मई में आयात भी 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर पहुंच गया। मई, 2023 में 57.48 अरब डॉलर का आयात किया गया था। मंत्रालय ने कहा कि इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, कपड़ा और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गईर्। इससे पहले अप्रैल, 2024 में देश का निर्यात घटकर 41.68 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों यानी अप्रैल–मई में निर्यात 5.1 फीसदी बढ़कर 73.12 अरब डॉलर पहुंच गया। आयात भी 8.89 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 116 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रत्न–आभूषणनिर्यात में 4.97 फीसदी गिरावट

रत्न एवं आभूषण का निर्यात मई में 4.97 फीसदी घटकर 20,713.37 करोड़ रुपये रह गया। रत्न व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के आंकड़ों के मुताबिक, सोने के आभूषणों का निर्यात 13.1 फीसदी बढ़कर 5,507.71 करोड़ पहुंच गया। चांदी के आभूषणों का निर्यात भी बढ़कर 1,103.72 करोड़ रुपये पहुंच गया।हालांकि, तराशे और पॉलिश किए गए हीरों का सकल निर्यात 14,190.28 करोड़ से घटकर 12,270.54 करोड़ रुपये रह गया।

आगे भी जारी रहेगी वृद्धि रू वाणिज्य सचिव

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, निर्यात के नजरिये से मई उत्कृष्ट महीना रहा है। आगे भी यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई कम हो रही है। इससे क्रय शक्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे आयात की मांग बढ़ेगी।

सेवाओं का निर्यात भी बढ़ा

सेवाओं का निर्यात मई में सालाना आधार पर 11.74 फीसदी बढ़कर 30.16 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान

अवधि में यह आंकड़ा 26.99 अरब डॉलर था। सेवाओं का आयात भी 8.81 फीसदी बढ़कर 17.28 अरब डॉलर पहुंच गया।

क्रूड आयात में 28ः तेजी

कच्चे तेल का आयात मई में 28 फीसदी बढ़कर 20 अरब डॉलर पहुंच गया। इस तरह, 2024–25 के पहले दो महीनों में क्रूड आयात 24.4 फीसदी बढ़कर 36.4 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, सोने का आयात घटकर 3.33 अरब डॉलर रह गया।

इन देशों को किया सर्वाधिक निर्यात

भारत ने जिन पांच देशों को सर्वाधिक निर्यात किया, उनमें अमेरिका, नीदरलैंड, यूएई, मलयेशिया और ब्रिटेन शामिल हैं।

सम्पादकीय.......

फिर आतंकी हमले

पिछले दिनों जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान की चर्चा हो रही थी। अब लगातार हो रहे आतंकी हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले हुए हैं। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। इन घटनाओं में छह जवानों समेत पचास के करीब लोग घायल हुए हैं। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। चिंता की बात यह है कि एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू किया जा रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू–कश्मीर में दखल दे सकते हैं। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति–सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है। वहीं इन हमलों का चिंताजनक पहलू यह है कि अब तक आतंकी घटनाओं का केंद्र दक्षिण कश्मीर आदि इलाके होते थे, अब की बार ये हमले जम्मू क्षेत्र में हुए हैं। जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन–प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर–ए–तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश–ए–मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं। केंद्र सरकार विचार करे कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद क्या वाकई घाटी में स्थिति सामान्य हो पायी है? हाल के लोकसभा चुनाव में हुआ बंपर मतदान क्या चरमपंथियों को संसद भेजने का उपक्रम था? क्या वजह है कि राज्य में लंबे समय से लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले दिग्गज राजनेता लोकसभा चुनाव में धराशायी हो गए? हाल के वर्षों में जम्मू–कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाली को लेकर जो दावे किये जा रहे थे तो क्या जमीनी हकीकत ऐसी ही है? देश के नीति नियंताओं को आत्ममंथन करना होगा कि क्यों कश्मीर का जनमानस राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रहा है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है।

गठबंधन राजनीति की मजबूरियां

के रवींद्रन

> *आर्थिक स्थिरता से समझौता किये बिना गठबंधन सहयोगियों की मांगों को संतुष्ट करना एक नाजुक काम है, जो जटिल चुनौतियों से भरा है। उन्हें देश की वित्तीय सेहत की रक्षा करते हुए आम सहमति बनानी होगी।*

मोदी 3.0 कैबिनेट में वित्त मंत्री के रूप में पुनरू कार्यभार संभालने के बाद,निर्मला सीतारमण अपने अन्य सहयोगियों की तुलना में सबसे अधिक दबाव में हैं क्योंकि नयी सरकार का बजट मुश्किल से एक महीने दूर है। इस बार उनका बजट बनाना अधिक जटिल है क्योंकि उन्हें गठबंधन की राजनीति की मजबूरियों को भी समायोजित करना है। कुल मिलाकर, उन्हें आर्थिक चुनौतियों के एक जटिल परिदृश्य का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भाजपा के लिए स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रहने के बाद, उनकी सरकार को गठबंधन सहयोगियों – चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और बिहार के मजबूत नेता नीतीश कुमार की जेडी–यू का समर्थन हासिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा है, इसके बावजूद कि दोनों ही पल भर में अपनी वफादारी बदलने की प्रवृत्ति वाले हैं। मोदी 3.0 के निहितार्थों को स्पष्ट करने की आवश्यकता नहीं है। निर्मला सीतारमण को विविध हितों को ध्यान में रखना होगा, अपेक्षाओं का प्रबंधन करना होगा और आर्थिक नीतियों पर आम सहमति बनानी होगी, जिनमें से कोई भी आसान काम नहीं है। गठबंधन की गतिशीलता लगातार उनका ध्यान आकर्षित करेगी। आर्थिक स्थिरता से समझौता किये बिना गठबंधन सहयोगियों की मांगों को संतुष्ट करना एक नाजुक काम है, जो जटिल चुनौतियों से भरा है। उन्हें देश की वित्तीय सेहत की रक्षा करते हुए आम सहमति बनानी होगी और इसके लिए राजकोषीय रूढ़िवादिता, गठबंधन की वास्तविकताओं और विकास की अनिवार्यताओं को संतुलित करने की दुर्लभ क्षमता की आवश्यकता होगी। निर्मलासीतारमण पिछले पांच वर्षों से भारत के वित्त मंत्रालय की कमान संभाल रही हैं और उन्होंने लगातार छह बजट पेश किये हैं। पूर्ण कार्यकाल के लिए इस पद पर रहने वाली पहली महिला के रूप में उनकी नियुक्ति एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत मील का पत्थर है। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने प्रमुख सुधारों को लागू किया, जिसमें बेसकॉर्पोरेट टैक्स की दर को 30प्रतिशत से घटाकर 22प्रतिशत करना और महामारी से उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा करना शामिल है। सीतारमणकी अपनी पिछली नीतियों पर कायम रहने की संभावना है, जिसका लक्ष्य राजकोषीय समेकन है। उनके पिछले प्रयासों ने राजकोषीय घाटे को 5.8प्रतिशत से घटाकर 5.6प्रतिशत कर दिया और वर्तमान संदर्भ में विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण होगी। चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था एक गतिशील वैश्विक वातावरण में काम करती है, इसलिए उन्हें इसे भू–राजनीतिक तनावों, व्यापार व्यवधानों और दुनिया भर में आर्थिक बदलावों के बीच भी आगे बढ़ाना होगा। भारत के हितों की रक्षा करते हुए इन अनिश्चितताओं का प्रबंधन करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं होगी। महामारी से प्रेरित आर्थिक मंदी सरकारी वित्त पर दबाव बना रही है। इसलिए, वित्त मंत्री को विकास को प्रोत्साहित करने और राजकोषीय अनुशासन बनाये रखने के बीच एक नाजुक संतुलन बनाना होगा। दबाव की जरूरतों को पूरा करते हुए विवेकपूर्ण खर्च सुनिश्चित करना एक कठिन काम होगा। मध्यम वर्ग बेसब्री से मुद्रास्फीति, कर बोझ और बढ़ती लागतों से राहत का इंतजार कर रहा है और बजट के फैसले सीधे उनके जीवन को प्रभावित करेंगे। राजकोषीय विवेक बनाये रखते हुए उनकी अपेक्ष् ााओं को पूरा करना एक कठिन चुनौती है। चुनाव परिणामों ने सत्तारूढ़ दल को यह झटका दिया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता व्यवहार को निर्धारित करने वाले वास्तविक मुद्दे सामाजिक और धार्मिक पहचान और अस्मिता की राजनीति की नियमित बयानबाजी से परे हैं। उल्लेखनीय है कि मोदी 2024 के चुनाव अभियान के दौरान वैसे ही बयानबाजी से फायदा उठाने की कोशिश कर रहे थे। चुनाव प्रचार के विभिन्न चरणों में वे एक विभाजनकारी मुद्दे से दूसरे मुद्दे पर कूदते रहे, लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं हुआ कि जमीनी स्तर पर लोग आस्था या पहचान के मुद्दों से कहीं अधिक अपने दैनिक जीवन को लेकर चिंतित हैं। इससे नई सरकार पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है, जिसका मतलब है कि रोजगार सृजन के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना होगा, जो 2014 में सत्ता में आने के बाद से मोदी सरकार के लिए कम प्राथमिकता रही है, जबकि समय–समय पर इसके विपरीत बड़े–बड़े दावे किये गये हैं। सरकार रोजगार के आंकड़ों और परिभाषाओं की फिर से व्याख्या करने के संदिग्ध प्रयासों के माध्यम से इस चूक को दूर करने की कोशिश कर रही है।

महिलाओं की कम आय चिंताजनक

सुशांत सरीन

भारत कई तरह की असमानताओं से जूझता हुआ देश है। इन गैरबराबरियों में आर्थिक भेदभाव के अलावा जातिगत असमानता तो है ही, लैंगिक भेदभाव बेहद विकराल रूप में है। कमोबेश सभी तरह की महिलाओं को किसी न किसी रूप में इसका सामना करना ही पड़ता है। शहरी हो या ग्रामीण, साक्षर हो या निरक्षर या अल्प शिक्षित, वह कथित ऊंची जाति की हो या फिर निचली जाति की– प्रत्येक महिला आजीवन उससे हर कदम पर दो–चार होती है। माना जाता है कि आत्मनिर्भरता स्त्रियों को पुरुषों के समकक्ष ला सकती है लेकिन वहां भी उनकी राह इतनी आसान नहीं है। असमानता का दंश वहां भी मौजूद है। वर्ल्ड इकॉनामिक फोरम की बुधवार को जारी रिपोर्ट में बतलाया गया है कि भारत में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की आय 60 फीसदी कम है। यह अंतर इतना अधिक है कि इसके बल पर कोई भी सभ्य समाज अपने यहां लैंगिक बराबरी का दावा बिलकुल नहीं कर सकता। यह शर्मनाक भी है। सरकार को इस ओर ध्यान देकर वे सारे उपाय करने चाहिये जो पुरुष–महिला के बीच मेहनताने की इस खाई को मिटा सकें।वैसे यह रिपोर्ट देश में लैंगिक असमानता की स्थिति की पोल को खोलती है। 146 देशों की सूची में भारत 129 वें स्थान पर खड़ा है। पिछले वर्ष वह 125वें पायदान पर था। इसका सीधा सा अर्थ है कि यह देश महिलाओं को देवी मानने को लिये तो तैयार है लेकिन उसे मनुष्य के रूप में उसके वे अधिकार देने को तैयार नहीं है जिसकी शुरुआत हर प्रकार की समानता से होती है। इस रिपोर्ट ने भारत को उन देशों के समूह में रखा है जहां लैंगिक असमानता सर्वाधिक है। उसे 0.398 अंक मिले हैं जो बहुत खराब प्रदर्शन है। इसमें कहा गया है कि जिस काम के लिये पुरुष को 100 रुपये मिलते हैं, महिला को 52 ही मिलते हैं। उसका योगदान भी बामुश्किल 40 फीसदी ही है। इस क्षेत्र में भारत की स्थिति केवल पाकिस्तान, ईरान, सूडान एवं बांग्लादेश से ही बेहतर बताई गई है। वैसे महिलाओं की आर्थिक बदहाली व पुरुषों के नीचे ही उसे बनाये रखने का प्रमुख कारण व आधार इस समाज की पुरुषवादी सोच ही है। पूरा ही पूरा सामाजिक ढांचा इन्हीं असमानताओं पर खड़ा है। सामंती एवं धार्मिक– इन दो तत्वों से बना भारतीय समाज उन तीनों ही तरह की गैरबराबरियों को बनाये रखने का हिमायती है जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है। समाज को हांकने वाले धर्म व राजनीति में काम करने वाले जानते हैं कि महिलाओं के पुरुषों की बराबरी में आने का मतलब होगा इस शोषण आधारित व्यवस्था का चरमराकर ढह जाना। इसलिये वे यथास्थिति को बनाये रखते हैं। जितने भी तरह की धार्मिक व नीति कथाएं बतलाई जाती हैं उनमें औरतों को त्याग करने वाली, अल्प संतोषी, पुरुषों, खासकर पिता व पति की सेवा में अपना जीवन खपाने–मिटाने वाली महिलाओं को महिमा मंडित किया जाता है। उन्हें आत्मनिर्भरता के अलावा सारा कुछ सिखाया जाता है। घर में खानपान से लेकर शिक्षा–दीक्षा तक लड़कों व लड़कियों में भेदभाव होता देखकर वे बच्चियां बड़ी होकर इसी परम्परा को आगे बढ़ाती हैं। लड़कियों की पढ़ाई यह कहकर छुड़ा दी जाती है कि श्यह तो लड़की है, इतना पढ़कर क्या करेगी या फिर, उसे कौन सी नौकरी करनी है... आदि। लड़कियों को इस काबिल ही नहीं बनाया जाता कि वे नौकरी कर सकें। संगठित क्षेत्रों में तो कानूनों के कारण वेतन, भत्तों व सुविधाओं में समानता देखी जा सकती है लेकिन वहां उनका प्रतिशत बहुत कम है। बड़ी कम्पनियों में लैंगिक अनुपात की स्थिति बेहद खराब है। आगे बढ़ने के अवसर भी उनके लिये पुरुषों के मुकाबिल कम ही होते हैं। महत्वपूर्ण पद एवं जिम्मेदारियां उन्हें नहीं मिलतीं। यहां तक कम्पनियों के बोर्ड में तक महिलाएं उद्योगपतियों के परिवारों की ही होंगी। शासकीय कम्पनियों में तक यही परिदृश्य है। असंगठित क्षेत्रों में हालत ज्यादा खराब है। पुरुषों की तुलना में उन्हें रोजगार तो कम मिलते ही हैं, वेतन–पारिश्रमिक में भी व्यापक असमानता है जिसका समग्र असर न सिर्फ उनके जीवन स्तर पर पड़ता है बल्कि उसकी अन्य असमानताओं के खिलाफ की जाने वाली लड़ाइयां भी कमजोर पड़ जाती हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि महिलाओं के साथ होने वाला यह भेदभाव केवल भारत में नहीं बल्कि दुनिया भर में है। अलबत्ता अच्छी शिक्षा एवं नागरिक अधिकारों के प्रति सजग जिन देशों ने अपने लिये काफी हद तक समतामूलक समाज बनाया है, वहां महिलाओं की राह अपेक्षाकृत आसान हो चली है, पर तीसरी दुनिया कहे जाने वाले ज्यादातर एशियाई, अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी देशों में महिलाएं बहुत पीछे चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, असमानता की यह डगर इतनी लम्बी है कि उसे पार करने में यूरोप को 67, उत्तर अमेरिकी को 95 तथा लातिनी अमेरिका व कैरेबियाई देशों को 53 साल लगेंगे। भयावह स्थिति तो दक्षिण एशियाई देशों की है जिनमें भारत का भी शुमार है। इनमें लैंगिक असमानता को पाटने में 149 वर्ष लग जायेंगे। सर्वाधिक खराब स्थिति पूर्वी एशिया के देशों में है जिनके लिये यह अवधि 189 साल आंकी गई है। रिपोर्ट बतलाती है कि ज्यादातर देशों में लोकतंत्र की स्थापना और वैज्ञानिक–तकनीकी तरक्की के बाद भी पूरी दुनिया के लिये लैंगिक असमानता चिंता का प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। संविधान में तो सभी को एक से अधिक अधिकार दिये गये हैं लेकिन पितृसत्तात्मक सोच के कारण औरतें वह सब हासिल नहीं कर पा रही हैं जिनकी वे मनुष्य होने के नाते हकदार हैं। विकास की मलाई का प्रमुख हिस्सा अब भी पुरुष पाते हैं।

मेष :– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

बृषभः– शासन–सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्कः– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः– नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुलाः– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस–पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः– सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः– बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः– अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीनः– पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

कुछ दिक्कतें नई हैं, ज्यादातर पुरानी

अरविन्द मोहन

> *पिछली सरकार के 71 में से 33 लोग ही जनता और उनका भरोसा पाकर मंत्री बने हैं लेकिन वे कब से सभी मंत्रियों से सौ दिन का एजेंडा बनाने की बात करते रहे हैं जिससे विकास की गति बढ़ाई जाए ।*

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति पर अपने उद्बोधन में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल में सम्पन्न लोक सभा चुनावों को लेकर जो कुछ कहा उससे असहमति मुश्किल है। अच्छी–अच्छी बातेंहैं संभवतरू अच्छी मंशा से भी कही गई हैं लेकिन समय और अवसर गलत चुने जाने से उनका प्रभाव शून्य ही दिखाई दे रहा है। टोकने–रोकने का काम समय पर होना चाहिए, गलती होने के बाद नहीं। मोदी विरोधी लोग(पक्ष और प्रतिपक्ष के) इन बातों से प्रसन्न हैं तो नरेंद्र मोदी शुरुआती खटकों के बाद अपने पुराने रंग में लौट गए हैं। चार सौ पार के नारे के बाद 63 सीटें गंवा कर भी उनकी भाजपा न सही एनडीए सरकार बन गई है, सब कुछ पूर्ववत हो चुका है और उनके कटाक्षपूर्ण और हवाई बातों का दौर शुरू हो गया है। पिछली सरकार के 71 में से 33 लोग ही जनता और उनका भरोसा पाकर मंत्री बने हैं लेकिन वे कब से सभी मंत्रियों से सौ दिन का एजेंडा बनाने की बात करते रहे हैं जिससे विकास की गति बढ़ाई जाए और भारत जल्दी से दुनिया की एक शक्ति बन जाए। नए मंत्रियों को उनके विभाग का पता पहली कैबिनेट की बैठक में ही चला लेकिन विजन दस्तावेज की मांग पहले से शुरू हो गई थी। एनडीए के सहयोगी दल भी उनके आभामंडल के आगे नतमस्तक लगते हैं। और राजनीति का क ख ग समझने वाला भी जानता है कि भागवत जी ने जिस मर्यादा का, प्रतिपक्ष के आदर का, चुनाव में घटिया और समाज को नुकसान पहुंचाने वाली बातें उठाने की शिकायत का, मणिपुर की सुनवाई का, अहंकार न करने जैसे जिन मसलों को उठाया वह सीधे–सीधे भाजपा के मौजूदा नेतृत्व(खासकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह) को संबोधित लगती हैं। ऐसी ही एक समीक्षा संघ के मुखपत्र में भी हुई है और उसमें भी भाजपा नेतृत्व को भरपूर कोसा गया है। और ऐसा भी नहीं है कि नरेंद्र मोदी एंड कंपनी ने जनादेश की परवाह नहीं की है। और नतीजे आने के बाद उनकी भाव भंगिमा बदली भी थी, अमित शाह खुद ही राजनाथ जी, जेपी, नीतीश और नायडू को मोदी के पास की जगह देने लगे और मोदी जी को भी अपने फ्रेम में इन चेहरों के आने से कोई परेशानी नहीं लगी। लेकिन उससे भी बड़ा बदलाव मंत्रिमंडल के गठन में सामाजिक इंजीनियरिंग का दिखा। अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव की सामाजिक इंजीनियरिंग इस बार भाजपा पर भारी पड़ी और बाद में प्रधानमंत्री ने लाख और घटिया स्तर पर उतरकर भी कोशिश की लेकिन चुनाव में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण नहीं हों पाया जबकि जाति का कार्ड असरदार रहा। सहयोगी दलों को भाव देना, ज्यादा मंत्री बनाना तो एक स्तर पर मजबूरी हो सकती है लेकिन इस सोशल इंजीनियरिंग का श्रेय तो पूरी तरह मोदी जी को है। यह चुनावी युद्ध से निकले अनुभव का भी परिणाम है जबकि संघ की शिक्षा जाति का कोई चीज न होना और इसके चलते विशेष अवसर अर्थात आरक्षण की बात भी बेमानी होने की है। मोदी जी के अभियान में भी नई जाति की गिनती कराने की कोशिश की गई लेकिन बे–असर रही। जानकार बताते हैं कि मोदी के पहले कैबिनेट की तुलना में संघ की पृष्ठभूमि वाले मंत्रियों की संख्या में बीस की कमी की गई है। यह दल बदल भर नहीं माना जा सकता–कहीं न कहीं इसमें अपने लोगों की प्रतिभा और क्षमता काम होने के एहसास के साथ बाहर के प्रतिभाशाली लोगों को अपनाने का दबाव भी काम करता है। साफ लगता है कि आने वाले दिनों में सरकार की नीतियोंऔर कार्यक्रमों में भी बदलाव होगा। कई हो चुके फैसलों पर पुनर्विचार और समीक्षा हो सकती है। लोक सभा के साथ हुए विधानसभा चुनाव में ओडिशा में निर्णायक जीत हासिल करके भी पार्टी ने एक प्रतिभाशाली आदिवासी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी। यह सब गिनवाने के बाद भी कहना होगा कि मोदी कैबिनेट का असंतुलन बना हुआ है, भाजपा का प्रभुत्व, मुसलमानों से दूरी और लाख नारा लगाने के बावजूद औरतों की दिखावटी भागेदारी है–कार्यक्षमता और योग्यता के मामले में भी नया प्रयोग नहीं हुआ है। परिवार के बुजुर्ग भागवत के कहने का मतलब तो है ही। सबसे बड़ा मतलब तो यह है कि संघ और भाजपा के बीच सब कुछ सामान्य नहीं है। लेकिन इसका ज्यादा बड़ा मतलब यह है कि इस बार की धुलाई न होती, अगर संघ के लोग काम करते। यह असल में संघ को दोषमुक्त करने का बयान है जबकि अहंकार और निजी दुर्गुणों के अलावा ज्यादातर गलतियां संघ की बुनियादी सोच से आई हैं। जाति को न मानना और पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के प्रति नजरिए में तो मोदी जी संघ से काफी आगे हैं। उनका मुसलमान द्वेष संघ से मिली घुट्टी का नतीजा है जो पंद्रह–सोलह फीसदी वोटों को उनसे दूर रखता है।

और अब इसके बदले कोई हिन्दू ध्रुवीकरण भी नहीं हो पा रहा है। कश्मीर की तीन सीटों की परवाह छोड़कर देश भर में उसे मुद्दा बनाकर राष्ट्रवाद और हिंदूवाद की अलख जगाने का दांव भी अब भारी पड़ रहा है तभी भाजपा को कश्मीर घाटी में उम्मीदवार उतारने की हिम्मत नहीं हुई। देश और संविधान के प्रति पक्का वफादार अब्दुल्ला परिवार और महबूबा की हार हुई और संदेहास्पद पृष्ठभूमि के लोग जीते हैं। खुद को विशाल सांस्कृतिक संगठन बताने वाले संघ का छुआछूत हटाने और दलितों के प्रति ही नहीं महिलाओं के प्रति क्या रुख रहा है यह सर्वज्ञात है। इसलिए अब अगर मोदी को अपने उम्मीदवारों में जीतने लायक मुसलमान, महिला और पिछड़े उम्मीदवार नहीं मिलते और वे निरंतर सवर्ण, हिन्दू और पुरुष प्रधान दल और सरकार चलाते आ रहे हैं तो इसमें जितना कसूर उनका है, संघ का भी उतना ही कसूर है। उनके व्यवहार में लोकतंत्र का निरादर जरूर दिखता है लेकिन खुद संघ कितने लोकतान्त्रिक ढंग से चलता है यह भी सोचना चाहिए। अगर भाजपा और मोदी ने कुछ सार्थक बदलाव लोकतान्त्रिक और चुनावी अनुभवों से किया है तो संघ ने उतना भी नहीं किया है। और सत्ता में आई भाजपा के साथ संघ का और उसके श्तपे–तपाएश्व स्वयंसेवकों के क्या रिश्ते बने है, वे किस किस स्तर पर जाकर भाजपा और सत्ताधारी नेताओं की सेवा करते हैं और खुद उनका आचरण कितना बदला है, इस पर भी किसी और से ज्यादा संघ प्रमुख को ही सोचना होगा। और मोरवी या बांग्लादेश के समय वाला सेवाभाव क्यों विदा हो गया है यह तो सोचना ही चाहिए।

कहीं कुछ खूबसूरत आने वाला हैः सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा अब एक्टिंग के साथ–साथ बिजनेस की दुनिया में भी हाथ–पांव मार रही हैं। वेब सीरीज श्हीरामंडीरू द डायमंड बाजारश एक्ट्रेस ने कहा– एक्विंग मेरे खून में बसा है लेकिन एक्ट्रेस होने से थोड़ा टफ है बिजनेसवुमन होना। लोकसभा में किसकी सरकार, कौन आगे, कौन पीछे, हर अपडेट सोनाक्षी सिन्हा की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है। उन्होंने हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज श्हीरामंडीरू द डायमंड बाजारश को लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं। एक्ट्रेस ने श्फरीदनश का रोल प्ले किया है, जिसके लिए उन्हें दर्शकों से खूब तारीफें मिल रही हैं। जिन्हें न पता हो उन्हें बता दें कि सोनाक्षी एक्ट्रेस के साथ–साथ एक बिजनेसवुमन भी हैं। वह आर्टिफिशियल नेल ब्रांड सोएजी की मालकिन हैं। आईएएनएस के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि बिजनेसवुमन होना एक्ट्रेस होने से थोड़ा टफ है। एक्टिंग मेरे खून में बसा है एक्ट्रेस या बिजनेसवुमन में से क्या ज्यादा मुश्किल क्या है, इस सवाल का जवाब देते हुए सोनाक्षी ने कहा, श्मुझे लगता है कि एक्टिंग मेरे खून में बसा है।

मैंने हमेशा सब कुछ चलते–फिरते सीखा है लेकिन मुझे कभी भी कुछ भी करने में अनकम्फर्टेबल महसूस नहीं हुआ। एक एंटरप्रेन्योर के तौर पर, यह बहुत ही नया है।श सोनाक्षी बोलीं– मैं बिजनेस में बहुत सी चीजें सीख रही हूं श्मैं बिजनेस में शुरू से सब कुछ सीख रही हूं, जितना हो सके उतना इसमें शामिल हो रही हूं। यह मेरे लिए कुछ हटके है। मुझे यह वाकई पसंद आ रहा है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक्टिंग से थोड़ा टफ है, क्योंकि इससे मैं पहले कभी नहीं जुड़ी।श एक्ट्रेस ने कहा, श्मैं बिजनेस में बहुत सी चीजें सीख रही हूं और मुझे लगता है कि मैं इसमें काफी अच्छा कर रही हूं।श पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें तो सोनाक्षी को म्यूजिक सुनना बहुत पसंद है। उन्होंने बताया कि उनकी प्लेलिस्ट में कई तरह के सॉन्ग हैं। श्मैं बहुत सारा पंजाबी म्यूजिक सुनती हूंश सोनाक्षी ने कहा, श्मुझे म्यूजिक सुनना बेहद पसंद है। आप हिंदी फिल्मी गानों से लेकर पंजाबी म्यूजिक और हाउस म्यूजिक तक कुछ भी पा सकते हैं। मुझे पर्कशन बहुत पसंद है। मुझे सिर्फ बीट्स वाले इंस्ट्रुमेंटल सॉन्ग पसंद हैं।श हालांकि, पंजाबी म्यूजिक उनकी प्लेलिस्ट में सबसे ज्यादा है। एक्ट्रेस ने कहा, श्यह कुछ ऐसा है जो आपको मेरी प्लेलिस्ट में मिलेगा। यह बहुत ही रैंडम लिस्ट है, लेकिन मैं बहुत सारा पंजाबी म्यूजिक सुनती हूं।श इन एक्ट्रेसेस की लिस्ट में जुड़ी हैं सोनाक्षी बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा के अलावा, कई ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो एक्टिंग के साथ–साथ अपने बिजनेस पर भी फोकस कर रही हैं और मोटी कमाई कर रही हैं। इस लिस्ट में अनुष्का शर्मा, कैटरीना कैफ, आलिया भट्ट, सोनम कपूर, लारा दत्ता, प्रियंका चोपड़ा, मसाबा गुप्ता, सनी लियोनी, लीसा हेडन, दीपिका पादुकोण, जैकलीन फर्नांडिस और रिया कपूर जैसे नाम शामिल हैं। एक तरफ जहां कैटरीना श्के ब्यूटीश की मालकिन हैं, वहीं आलिया क्लोदिंग ब्रांड को बेहतरीन तरीके से संभाल रही हैं। सोनाक्षी ने इस बार के बर्थडे को बताया खास तस्वीरों की सीरीज शेयर करते हुए सोनाक्षी ने लिखा, श्मैं आमतौर पर अपने जन्मदिन पर काम से छुट्टी लेती हूं और कहीं ना कहीं घूमने जाती हूं. लेकिन 7 साल बाद मैंने खुद को सेट पर वापस पाया और याद किया कि जो काम आपको पसंद है उसे करते हुए दिन बिताना कितना खूबसूरत है. इसे इतना खास बनाने के लिए मेरी टीम को ध न्यवाद और उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने मुझे ऑनलाइन शुभकामनाएं भेजीं... आपका प्यार मेरे लिए बहुत मायने रखता है. भले ही मैंने आपकी शुभकामनाएं रीपोस्ट ना की हों लेकिन आप देख ही रहे हैं मैं बर्थडे पर काम पर थी. रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने भी किया विश सोनाक्षी सिन्हा को उनके बर्थडे पर रूमर्ड बॉयफ्रेंड

“ बिजनेस के पैंतरे सीख रहीं सोनाक्षी, कहा– एक्टिंग मेरे खून में बसा है लेकिन थोड़ा टफ है बिजनेसवुमन होना

जहीर इकबाल ने खूबसूरत अंदाज में विश किया. इंस्टाग्राम पर सोनाक्षी सिन्हा के साथ अपनी अनसीन तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की. वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा अपनी हालिया रिलीज सीरीज हीरामंडीरू द डायमंड बाजार की सफलता को एंजॉय कर रही हैं. एक्ट्रेस को संजय लीला भंसाली की सीरीज में अपने रोल फरीदन के लिए काफी तारीफें बटोरीं. हाल ही में हीरामंडी के अगले सीजन का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दिया गया है.

उनकी अपकमिंग फिल्मों में आदित्य सरपोतदार की काकुडा शामिल है, जो रोनी स्क्रूवाला की एक हॉरर–कॉमेडी है, जिसमें साकिब सलीम और रितेश देशमुख लीड रोल में हैं. इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में निकिता रॉय और द बुक ऑफ डार्कनेस भी शामिल हैं. अब तक गर्मियों में बॉलीवुड हस्तियों से लेकर सितारों तक का फैशन देखने को मिला है. दिशा पटानी जहां एक फ्लोरल ड्रेस में शहर में नजर आती हैं, वहीं मंदिरा बेदी थाईलैंड में छुट्टियों में रेड बिकिनी में दिखाई दे रही हैं.

तो इस गर्मी में सोनाक्षी सिन्हा ने क्या चुना है? हम आपको यही बताने वाले हैं. बस आप देखते जाइए. बॉलीवुड अभिनेत्री ने हाल ही में अपनी अंगुलियों और हाथ में प्रमुख रूप से पहनी जाने वाली एक अंगूठी की अस्पष्ट तस्वीरें पोस्ट की थी, जिसके बाद इस बात को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म हो गया था कि सोनाक्षी ने सगााई कर ली है. लेकिन इस बीच हमें सोनाक्षी की प्रेस–ऑन नेल्स के अपने नए ब्रांड, सोजी की एक झलक दिखाई.

लॉन्च इवेंट में सोनाक्षी सिन्हा लॉन्च इवेंट के लिए, सोनाक्षी ने किमोनो–स्टाइल टॉप का बिलोवी स्लीव्स, क्रॉप्ड लेंथ और टाई–फ्रंट डिटेल पहना था. इसे उन्ध्होंने शॉर्ट्स के साथ पेयर किया था जिसमें ब्ध्लू और पीच कलर का प्रिंट दिया हुआ था. सोनाक्षी सिन्हा हमेशा की तरह शाइनी दिखीं सोनाक्षी की एक्सेसरीज ने उनके इस लुक को विनर बना दिया. उन्ध्होंने नीले टी–स्ट्रैप पंप के साथ लुक को बैलेंस किया और हाथ में शेल–डिजाइन वाला पर्स कैरी किया. इस फंकी टच के लिए सोनाक्षी ने टिंटेड पर्पल सनग्लासेस को चुना. उन्ध्होंने पेस्टल ब्लू मैनीक्योर के साथ फैंस को एक बार फिर अपना दीवाना बना दिया.

निक्की तंबोली ने बिकिनी में लगाई इंटरनेट पर आग, फैंस का हुआ बुरा हाल

निक्की तंबोली मल्टीकलर फ्रंट कटआउट डिजाइन वाली हॉल्टरनेक बिकिनी में कराया हॉट...

ऑल ब्लैक लुक में डायना पेंटी ने रेड कार्पेट पर बिखेरा हुस्न का जादू

डायना पेंटी ने फुल स्लीव्स वाले क्रॉप टॉप और बैगी प्लीट्स वाले बॉटम में रेड कार्पेट पर खूब वाहवाही...

रेड कटआउट गाउन में पूजा हेगड़े ने दिखाई ऐसी अदाएं, फैंस बोले – हॉटनेस ओवरलोडेड

पूजा हेगड़े ने फैशन डिजाइनर हाउस मोनोट के लिए म्यूज की भूमिका निभाई और एक शानदार रेड गाउन को...

पैपराजियों द्वारा एक्ट्रेसेस के गलत एंगल से फोटो खींचने पर मोना सिंह और नेहा शर्मा भड़क गई हैं। एक इंटरव्यू में दोनों बॉलीवुड एक्ट्रेसेस ने कहा कि इस तरह बिना किसी महिला की मर्जी के ऐसी तस्वीरें खींचना बेहद गलत है। मोना ने कहा, श्पैपराजी महिलाओं के शरीर पर गलत जगह फोकस करते हैं जो कि बेहद डिस्टर्बिंग है। क्या वे किसी मेल एक्टर की इस तरह गलत एंगल से फोटो लेते हैं? नहीं न लेकिन हर महिला के साथ वो ऐसा ही करते हैं।श मोना ने आगे कहा, श्जब भी किसी इवेंट या फंक्शन में जाओ तो बाद में फिर खुद के इस तरह के वीडियो देखने को मिलते हैं। मुझे लगता है कि हर महिला को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। पैपराजी जो कर रहे हैं, वो कूल नहीं है। ऐसा लगता है कि बस वो किसी वार्डरोब मॉलफंक्शन की ताक में रहते हैं। नेहा शर्मा भी बोलीं– ये गलत है नेहा ने भी गलत एंगल से फोटो खींचे जाने पर पैपराजियों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने कहा, श्कुछ ऐसे दिन आते हैं जब आप नहीं चाहते कि कोई आपको देखे। आप ब्रेक लेना चाहते हैं जो कि मैंने पिछले दिनों किया। जहां तक गलत एंगल से फोटो लिए जाने की बात है तो यह काफी गलत और चिंताजनक है। इससे एक महिला होने के नाते आप ये फ्रीडम खो देते हो कि आप कैसे कपड़े पहनना चाहते हो। अगर आप पब्लिक फिगर हो तो आपको बेहद केयरफुल रहना पड़ता है क्योंकि कई बार चीजें हाथ से निकल जाती हैं।श पहले भी कई एक्ट्रेसेस जता चुकीं आपत्ति इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में जान्हवी कपूर ने भी गलत एंगल से फोटो खींचे जाने पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था, श्पैपराजियों को एक्ट्रेसेस की प्राइवेसी का सम्मान करना चाहिए। , कुछ पैपराजी ऐसा करते हैं लेकिन कुछ ऐसा नहीं करते हैं। कुछ नॉर्मल वीडियो में भी गलत एंगल से खींची गई फोटो का कवर लगा देते हैं और उसे सेंसेशनल बना देते हैं, खासकर ऐसा तब होता है जब वो वीडियो किसी एक्ट्रेस का हो।

आमिर की 'सितारे ज़मीन पर' का दिल्ली शूट कैंसिल, वजह है महंगाई

बॉलीवुड स्टार आमिर खान का शेड्यूल काफी व्यस्त है। दिल्ली में शूटिंग के बाद, अभिनेता वर्तमान में गुजरात के वडोदरा की चिलचिलाती गर्मी में शूटिंग कर रहे हैं। खान तारे जमीन पर की श्आध्यात्मिक सीक्वलश, सितारे जमीन पर की शूटिंग कर रहे हैं।

बॉलीवुड स्टार आमिर खान का शेड्यूल काफी व्यस्त है। दिल्ली में शूटिंग के बाद, अभिनेता वर्तमान में गुजरात के वडोदरा की चिलचिलाती गर्मी में शूटिंग कर रहे हैं। खान तारे जमीन पर की श्आध्यात्मिक सीक्वलश, सितारे जमीन पर की शूटिंग कर रहे हैं। एक सूत्र ने बताया, ष्आमिर खान सितारे जमीन पर की बैक–टू–बैक शूटिंग में व्यस्त हैं। दिल्ली में शूटिंग पूरी करने के बाद, वह अब वडोदरा में शूटिंग कर रहे हैं। सुपरस्टार शेड्यूल पर बने रहने के लिए चिलचिलाती गर्मी में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।ष

सितारे जमीन पर का निर्देशन आरएस प्रसन्ना करेंगे। यह फीचर डाउन सिंड्रोम पर केंद्रित होगा। आमिर के अलावा, फिल्म में जेनेलिया डिसूजा और दर्शील सफारी जैसे कलाकार भी हैं। खान को आखिरी बार फिल्म लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था, जो रिलीज होने पर दर्शकों से जुड़ नहीं पाई थी। हालांकि, स्ट्रीमिंग दिग्गज नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर के बाद इसे देखने वालों ने इसकी सराहना की। आमिर खान बुधवार को चार्टर्ड फ्लाइट से वडोदरा एयरपोर्ट पहुंचे और वासना–भायली रोड स्थित होटल में ठहरे। सितारे जमीन पर की शूटिंग 6 जून को शुरू हुई और यह 12 जून तक जारी रहेगी। यह फिल्म स्पेनिश स्पोर्ट्स ड्रामा कैंपियोन्स (2018) का हिंदी रूपांतरण है।

इस फिल्म में आमिर खान, जेनेलिया देशमुख और दर्शील सफारी हैं। आमिर खान ने हाल ही में इंस्टाग्राम लाइव में कहा कि फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जिस तरह तारे जमीन पर ने आपको रुलाया, उसी तरह सितारे जमीन पर आपको हंसाएगी। सितारे जमीन पर डाउन सिंड्रोम के बारे में होगी।

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनको डार्क और लाइट कलर शेड की लिपस्टिक लगाना पसंद है। तो आप कुछ डिफरेंट शेड्स वाली लिपस्टिक ट्राई कर सकते हैं। साथ ही इस शेड्स की लिपस्टिक काफी अच्छी लगेगी।

जिस तरह से बदलते मौसम के हिसाब से हम सभी कपड़े पहनते हैं, उसी तरह से हमें लिपस्टिक शेड भी चूज करना चाहिए। गर्मियों में मौसम में आपको कुछ ऐसे लिपस्टिक शेड्स ट्राई करने चाहिए, जिसको लगाने के बाद आपके लिप्स अच्छे नजर आएं। ऐसा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इससे आपका मेकअप अच्छा लगता है। साथ ही आपको कुछ डिफरेंट कलर ट्राई करने का मौका मिलेगा। आपको बता दें कि ऐसे कई लिपस्टिक के शेड्स होते हैं, जो गर्मी में लगाने के बाद काफी अच्छे लगते हैं।

बेरी लिपस्टिक शेड

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनको डार्क और लाइट कलर शेड की लिपस्टिक लगाना पसंद है। तो आप बेरी लिपस्टिक शेड कलर ट्राई कर सकते हैं। बेरी लिपस्टिक शेड डार्क और वाइन का मिक्स कलर होता है। इस तरह के लिपस्टिक को अप्लाई करने से लिप्स अच्छे लगते हैं, ऐसे में आपको यह शेड जरूर ट्राई करना चाहिए।

वाइन कलर लिपस्टिक

अगर आपको भी लाइट कलर की ड्रेस पहनना पसंद करती हैं, तो इसके साथ आपको वाइन कलर की लिपस्टिक ट्राई करनी चाहिए। इसमें आपको मैट और लिक्विड हर तरह के शेड मिल जाएंगे। आप चाहें तो डार्क मैरून और पिंक शेड को मिक्स कर बने शेड को ट्राई कर सकती हैं।

कोरल लिपस्टिक शेड

बहुत सारी लड़कियों को ब्राउन शेड लिपस्टिक लगाना बेहद पसंद होती है। लेकिन आप इस बार डार्क की जगह लाइट शेड ट्राई करें। इससे आपके लिप्स काफी अच्छे लगेंगे। इस तरह की लिपस्टिक में आपको लिक्विड और मैट दोनों कलर मिल जाएंगे। इसको आप मेकअप लुक के साथ लगा सकती हैं। मार्केट में आपको इस तरह की लिपस्टिक आसानी से मिल जाएगी। ऐसे में आप अपनी पसंद के ब्रांड के हिसाब से खरीद सकती हैं।

गर्मियों में हमारे लिए खीरा ज्यादा बेहतर है या फिर ककड़ी? अब आप सोच रहे होंगे के दोनों तो एक ही चीज हैं, लेकिन आपको बता दें कि आप बिलकुल गलत हैं। ककड़ी और खीरा दोनों में अंत है लेकिन लोग इसे एक समान ही समझ लेते हैं। इनका सेवन ज्यादातर गर्मियों में किया जाता है। ये दोनों न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि यह पानी की कमी को दूर करते हैं और शरीर में एनर्जी बनाए रखते हैं। इसी के साथ चलिए हम आज आपको बताते हैं इन दोनों में अंत और क्या आपके लिए ज्यादा बेहतर हो सकता है।

दोनों में क्ध्या होता है अंतर?

अगर दोनों की बनावट की बात की जाए तो खीरा लंबा और थोड़ा मोता होता है, जबकि ककड़ी टेड़ी–मेड़ी और पतली सी होती है। हालांकि, खीरा और ककड़ी, दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन गर्मियों में खीरा और ककड़ी में से क्या खाना ज्यादा फायदेमंद होता है?

दोनों में होते हैं ये पोषक तत्व

खीरा में विटामिन सी, विटामिन बी, विटामिन ए, पोटैशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और फाइबर भरपूर होता है। जबकि ककड़ी में डायटरी फाइबर खूब होता है।

कध्सिमें होता है ज्यादा पानी

खीरा कि तो इसमें 90: पानी होता है, इसके सेवन से बॉडी हाइड्रेटेड रहती है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जोकि त्वचा और बालों दोनों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

पाचन के लिए बेस्ट

ककड़ी में डायटरी फाइबर बहुत ज्यादा होता है, जो कध्िकी पाचन तंत्र को मजबूत करता है। साथ ही यह वजन को कंट्रोल करता है। यह हाई ब्लड प्रेशर को मैंटेन करता है। ककड़ी में विटामिन सी पाया जाता है जोकि शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाता है।

पेट रहता है भरा–भरा

खीरा में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, इसलिए गर्मियों में सबसे ज्यादा खीरा खाने की सलाह दी जाती है। हालांकि, स्वाद के मामले में दोनों का टेस्ध्ट समान ही लगता है। दोनों में खूब फाइबर होता है, पेट काफी देर तक भरा–भरा सा लगता है, जिससे आपको भूख कम लगती है और वजन कंट्रोल होता है।

मोटापा न सिर्फ हमारी लुक को खराब करता है बल्कि ये अपने साथ कई तरह की गंभीर बीमारियों को भी साथ लाता है। इसलिए सही समय पर इसे कंट्रोल करना बहुत जरुरी होता है। ऐसे में बढ़ते हुए वेट पर अगर आप काबू पाना चाहते हैं तो आपको मॉर्निंग रूटीन में कुछ बातों का खास ध्यान रखने की जरूरत है। हम आपको आज कुछ ऐसी चीजें बताएंगे जिसे आप ध्यान में रखते हुए महज कुछ ही हफ्तों में मोटापा कम कर सकते हैं।

जरूरी है फिटनेस

आप मोटापा सेहत को बुरी तरह से डैमेज करने की क्षमता रखता है। इसलिए आपको भी बढ़ते हुए वेट पर काबू पाने के कुछ तरीकों के बारे में जान लेना चाहिए। सुबह–सुबह महज तीन काम आपकी वेट लॉस जर्नी को काफी ज्यादा आसान बना सकते हैं।

कैसा होना चाहिए मॉर्निंग रूटीन?

मॉर्निंग रूटीन में कुछ बातों पर गौर करके आप अपने मोटापे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। आपको अपने ब्रेकफास्ट में फाइबर, विटामिन और प्रोटीन से भरपूर खाने की चीजों को शामिल करना चाहिए। ब्रेकफास्ट को स्किप करने की गलती बिल्कुल भी न करें वरना आपका मेटाबॉलिज्म स्लो हो सकता है। इसके अलावा आपको हर रोज सुबह–सुबह एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए। इसके अलावा आप कम से कम 40 मिनट्स की वॉक भी कर सकते हैं।

फॉलो करें नियम

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक डाइट और एक्सरसाइज के साथ–साथ आपको हर रोज अपने दिन की शुरुआत गुनगुने पानी से करनी चाहिए। यानी अपने मॉर्निंग रूटीन में गुनगुना पानी, हेल्दी–बैलेंस्ड डाइट और एक्सरसाइज को शामिल करना आपके लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। अगर आपने इस नियम को नहीं तोड़ा तो आपको कुछ ही हफ्तों में पॉजिटिव रिजल्ट्स मिल सकते हैं।

अगर आप इन बातों का ध्यान रखते हैं तो यकीनन बिना पसीना बहाए आप मोटापे को आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं। आप भी इन बातों का जरूर ध्यान रखें।

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा की तरह आप भी चाहते हैं खिली–खिली स्किन, तो गर्मी के मौसम उनके द्वारा बताए गए डी–टैन मास्क का इस्तेमाल कर शुरु कर दें। यहां देखिए मास्क बनाने का तरीका– भीषण गर्मी में स्किन पर टैनिंग की समस्या का होना कॉमन है। दरअसल, तेज धूप की वजह से त्वचा काली होने होने लगती है। क्या कभी आपने सोचा है कि, दिनभर धूप में रहने वाले एक्टर्स की स्किन काली क्यों नहीं होती है? क्योंकि यह सभी स्किन केयर रुटीन फॉलो करते हैं। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा स्किन से टैनिंग को दूर करन के लिए घर पर ही डी टैन मास्क का इस्तेमाल करती हैं। अगर आप केमिकल युक्त ब्यूटी प्रोडक्ट यूज नहीं करना चाहती हैं, तो प्रियंका चोपड़ा की तरह डी टैन मास्क बनाकर लगाएं। डी टैन पैक बनाने के लिए सामग्री – 2 बड़े चम्मच बेसन – 2 बड़ा चम्मच दही – 1 बड़ा चम्मच दूध – आधा चम्मच चंदन पाउडर

– आधा नींबू का रस

– 2 चुटकी हल्दी

कैसे बनाएं डी टैन पैक

इस डी टैन पैक को बनाने के लिए एक कटोरी लें। फिर इसमें बेसन और दही डालकर अच्छे से मिक्स कर दें। फिर इसमें नींबू का रस और दूध मिक्स करें। जब ये अच्छे से मिक्स हो जाए तो पेस्ट में चंदन पाउडर और हल्दी डालकर अच्छे से मिक्स कर दें। प्रियंका चोपड़ा के बताए तरीके से डी– टेन स्क्रब तैयार है।

कैसे चेहरे पर लगाएं

इस डी–टैन पैक को तैयार करने के बाद इसे अपनी टैन स्किन पर लगाएं और थोड़ी देर तक सूखने दें। जब ये सूख जाए तो पेस्ट को हाथों से रब करके स्क्रब करें। फिर पानी से अच्छी तरह से साफ करें। हफ्ते में 2–3 बार इस्तेमाल करें।

नुक्कड़ नाटक के द्वारा छात्रों ने गैस रिसाव पर कैसे करें बचाव का दिया संदेश

प्रयागराज। सर्वस्य लोक कल्याण स्वैच्छिक संस्था और इण्डेन ऑयल के संयुक्त तत्वावधान में कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रयागराज शहर के करेली, मीरापुर, मुंडेरा, चौक, अल्लापुर, आदि क्षेत्रों में गैस रिसाव के कारण हो रही दुर्घटना से जनमानस को जो हानि हो रही है उस पर नुक्कड़ नाटक द्वारा उसके बचाव पर अच्छी जानकारी दी गई. नुक्कड़ नाटक में इण्डेन आयल द्वारा

जारी नंबर 1906 जो कि एक टोल फ्री नंबर है जो ग्राहक के लिए गैस रिसाव की समस्या से निजात दिलाने के 24 घंटे उपलब्ध है। नुक्कड़ नाटक में कलाकार रोहित बाजपेयी, सोनाली शर्मा, रतिभान सिंह, अमन सिंह, शुभम कश्यप, और इण्डेन आयल के अधिकारी समीर शुक्ला, सर्वज्ञ श्रीवास्तव, चन्दन गुप्ता आदि उपस्थित रहें,इन शानदार नुक्कड़ नाटक का निर्देशन पंकज गौड़ ने किया। राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बच्चों द्वारा गैस रिसाव से होने वाली अग्नि दुर्घटना से बचने के सम्यक उपाय के नाट्य मंचन की सराहना की और कहा इससे समाज में अग्नि से बचाव की सजगता आएगी। सर्वस्व लोक कल्याण स्वैच्छिक संस्था एवं इंडेन आयल को ऐसे सामाजिक सुरक्षा विषयों के नुक्कड़ नाटक हेतु बधाई दी ठीक है ऐसा देशहित कार्यक्रम करते रहें।

सपा प्रतिनिधि मंडल के सोनपुर अपने की खबर से बड़ी संख्या में तैनात रहे पुलिस व पीएसी के जवान

प्रतापगढ़। जेठवारा थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव में विछले सप्ताह मौलाना फारूक की हत्या हो गई थी। हत्या के आरोप ब्राम्हण समुदाय पर लगा था। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गॉव का दौरा करने के लिए जिले के निर्वाचित सांसद डा0 एसपी सिंह पटेल की अगुवाई में विधायकों समेत लोगों की टीम बनाई थी। जानकारी पर पूरे इलाके में फोर्स तैनात रही। प्रतिनिधि मण्डल में विधायक कमाल अख्तर, नफीस अहमद, आके वर्मा, राम सिंह पटेल के साथ मो0 शकील नदवी, पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह, पर्वू विधायक नागेन्द्र यादव, जिलाध्यक्ष गुलशन यादव, महासचिव अब्दुल कादिन जिलानी, के नाम शामिल रहे। दोपहर में टीम मौलाना के घर पहुचकर हर सम्भव मदद का भरोसा दिया व राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश को बताया।

लापता मजदूर को तीसरे दिन भी नहीं ढूंढ पाई पुलिस

परिजनों ने जेसीबी से तालाब में खोजा, नहीं मिली सफलता
तीन दिन पहले गायब हुआ है भंगवा गांव का उदयराज

प्रतापगढ़। कोतवाली नगर के भंगवा गांव निवास उदयराज मजदूरी करता है। पिछले तीन दिन से गायब है। उसकी पत्नी ने गुमशुदगी दर्ज कराई है। लेकिन पुलिस अभी तक उसके पति को नहीं ढूंढ पाई है। पुलिस की तरफ से मदद न मिलने पर उसने गांव वालों की मदद से शनिवार को जेसीबी मंगा कर रेलवे तालाब में उदयराज की खोज कराई लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पत्नी और बच्चों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस की कार्यशैली से ग्रामीणों में आक्रोश है।

उदयराज मजदूरी करता है। तीन दिन पहले की रात से वह घर नहीं लौटा। जांच पड़ताल की गई तो पता चला कि सहोदरपुर मोहल्ले में उसी रात को चोरों की आहट पाकर लोगों ने शोर मचाया था। उस समय एक व्यक्ति को लोगों ने तालाब की तरफ भागते देखा था। इसकी भनक उदयराज के परिजनों को लगी। उन्हें लग रहा है कि हो न हो वह तालाब में कूदा हो और डूब गया हो। इसी लीक पर दो दिन पहले पुलिस वालों ने भी तालाब की पड़ताल कराई थी। शनिवार को ग्रामीण जेसीबी लेकर पहुंच गए। इस बारे में भंगवा चुंगी चौकी पुलिस का कहना है कि खोज जारी है। कुछ पता नहीं चल रहा है।

हत्या के आरोप में दो को सश्रम आजीवन कारावास

प्रतापगढ़। अपर सत्र न्यायाधीश बाबू राम ने हत्या के आरोप में दोषी पाते हुए रेखा देवी निवासी लोदीपुर थाना महेशगंज व राजा सरोज निवासी उमरीकोटिला थाना बाघराय को सश्रम आजीवन कारावास व 27–27 हजार रुपए अर्थदंड से दण्डित किया है। उक्त मामले में राज्य की ओर से पैरवी एडीजीसी अजय कुमार पाण्डेय ने किया। वादी मुकदमा मगलू के अनुसार उसने 16 अगस्त 2012 को उसके भाई शंकर लाल को फांसी लगाकर आत्मा हत्या के सम्बन्ध में सूचना दिया था। बाद में उसे जानकारी मिली कि उसके भाई शंकर लाल सरोज को उसके भाई की पत्नी रेखा देवी व राजा सरोज एवं राजा सरोज की बहन साधना देवी ने मिलकर मारपीट कर गला दबा कर उसकी हत्या कर दी।

कब बरसोगे बदरा

सूख रही नदियाँ , झुलस रहे हैं वन ।
पशु , पक्षी बेचैन , तरस रहे हैं जन ।।

गर्मी का कहर , झेल रहे हैं सब।
गाँव , शहर में , बरसोगे बदरा कब।।

चुनावी लहर है , निकल रहा है जुलूस।
जनता जनार्दन है , कतार में चापलूस।।

रुपये की गर्मी , झेल न पाए गरीब।
अकड़ अधर्मी , नेताओं के बोल हैं सब ।।

चक्रव्यूह तोड़ना , बहुमत से विजयी बनाना ।
मुँह मीठा करके , उल्लू सीधा न करना।।

बरसोगे कब बदरा , वोट देना तुम भी जरूर।
मगरूर मत होना , आना लोकतंत्र का त्योहार ।।

हरा भरा संसार , अब उजड़ रहा ।
विकल मन निर्जन , कब से ढूँढ रहा।।

वैशाख शुक्ल मास , लागे जेठ दुपहरी ।
प्रेमी युगल तड़प रहा , कब बरसोगे बदरा ।।

चेतना प्रकाश षचितेरी ३ , प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

आज से 21 जून तक होने वाले योग सप्ताह कार्यक्रम में प्रतिभाग कर अधिक से अधिक लोग करें योगाभ्यास-सी डी ओ नवनीत सेहरा

प्रतापगढ़।

आज 15 जून को प्रातः 6 बजे शहीद उद्यान में योग सप्ताह का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते हुए मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहरा ने कहा कि आगामी 21 जून को 10वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिव्य व भव्य आयोजन के लिए जनपद, विकास खण्ड व ग्राम पंचायत स्तर पर योगाभ्यास व प्रशिक्षण चलाए जा रहे हैं इन शिविरों व योग सप्ताह कार्यक्रम से योग करने वालों में ऊर्जा व उत्साह का संचार होगा वहीं वर्ष में एक दिन योग दिवस के रूप में मनाने वालों के लिए नियमित योग के प्रति जन जागरण उन्होंने उद्घाटन में उपस्थित जन समुदाय से आग्रह किया कि आप सभी स्वयं सहभाग करने के साथ अपने आस पास के लोगों को भी 21जून को पुलिस लाइन ग्राउंड पर हो रहे योगाभ्यास में शामिल कराएं

भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि योग प्राचीन काल से ही हमारी जीवन शैली का अंग रहा है निरोग रहना है तो योग को साथी बनाएं सदर विधायक राजेंद्र मौर्य ने कहा कि या तो योग करो या दवा क्योंकि वर्तमान का खानपान हमारे शरीर के अनुकूल नहीं है भोजन और पाचन में सामंजस्य योग द्वारा ही होगा महिला पतंजलि योग प्रभारी वंदना बहन ने कहा कि वैसे तो महिलाएं घर गृहस्थी के काम काज करते हुए परोक्ष रूप से योग ही करती हैं किंतु प्रत्यक्ष रूप से योग करने से घर के बच्चे भी सीखते हैं कि कैसे स्वयं को स्वस्थ रखा जाय अन्त में इस सत्र का समापन करते हुए क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी जयराम यादव जी ने कहा कि 2014से प्रधानमंत्री मोदी जी ने जो लौ जलाई है हमे इस लौ को जीवन्त रखने और स्वस्थ रहने के लिए नित्य योग करना होगा संचालन कर रहे आयुष चिकित्सक डॉ रंगनाथ शुक्ल ने सर्व समाज को इस भव्य आयोजन का साक्षी बनने की सलाह देते हुए कहा कि इस आयोजन से योग की अवधारणा को सामान्य जन मानस में स्वाभाविक रूप से विकसित कर सकते हैं आज के इस सत्र में पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान ट्रस्ट युवा भारत पतंजलि किसान सेवा समिति महिला पतंजलि योग समिति आरोग्य भारती वियर ए हैण्ड ट्रस्ट आयुष विभाग नगर विकास विभाग आदि सरकारी व स्वैच्छिक संस्थानों ने प्रतिभाग किया इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ के योग प्रशिक्षकों ने प्राणायाम और योगासनों का प्रदर्शन और क्रमबद्ध अभ्यास कराया आज इस कार्यक्रम में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी भूपेन्द्र प्रताप सिंह जी आरोग्य भारती के संरक्षक डॉ एस के शर्मा उपाध्यक्ष अमित शुक्ल जी महिला पतंजलि योग समिति प्रभारी वंदना जी युवा भारत प्रभारी नंदलाल जी योग प्रशिक्षकगण सपना गुप्ता किरण शिल्पा सुचिता सिंह सुरभि सिंह सुभ्रा अग्रवाल मान्या अग्रवाल सुधा व आयुष विभाग से डॉ त्रिभुवन राम डॉ शशेंद्र सिंह डॉ ब्रह्मा नन्द जी अशोक जी शुभम मिश्र अजय पांडेय प्रतीक खंडेलवाल अनिल सिंह धर्मेंद्र सिंह आकाश सचिन श्रीवास्तव राज कुमार गुप्त अनीता गुप्त कमलेश जी धीरज उपाध्याय जी धर्मेंद्र प्रताप सिंह संरक्षक युवा भारत आदि उपस्थित रहे।

मेयोकिनेटिक चौन रीलीज और ऑस्ट्योपेथी तकनीकों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मेयोकिनेटिक मूल्यांकन की नई अवधारणा से जुड़े प्रतिभागी

प्रयागराज । संकल्प फिजियोथेरेपी प्रयागराज एवं स्टेम रिहेब देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में फिजियोथेरेपी के विश्व विख्यात प्रोफेसर एवं चिकित्सक डॉ. मनीष अरोरा द्वारा मेयोकिनेटिक चौन रीलीज और ऑस्ट्योपेथी तकनीकों पर स्वयं करके सीखो आधारित दो दिवसीय कार्यशाला होटल पार्क व्यू सिविल लाइंस में आयोजित की गई है जिसका उद्घाटन एडिशनल सी. एम.ओ. प्रयागराज डॉ. ए.के. तिवारी ने दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. संदीप दुबे एवं डॉ अभिषेक राय एवं डॉ. विजय मौर्य ने सभी अतिथियों का बुके देकर अभिनंदन किया। कार्यशाला में कुल 30 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। कार्यशाला में प्रथम दिन डॉ. मनीष अरोड़ा द्वारा जटिल रोगों जैसे कंधे का जाम होना, टेनिस एल्बो, बैक पैन, घुटने का दर्द, प्लांटर फैसिएटिस, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस का सरल और सुगम उपचार फिजियोथैरेपी द्वारा करने के तरीके को बताया गया। कार्यशाला के कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉक्टर संदीप दुबे ने मयोकिनेटिक मूल्यांकन की नई अवधारणा पर अपने विचार रखे वहीं डॉ अभिषेक राय ने मायोफेशियल दर्द सिंड्रोम बनाम फाइब्रोमायल्जिया में क्या अंतर है? विषय पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में मंच का संचालन शरद कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. सुरेंद्र गौतम, डॉ. विशाल, डॉ. निधि, डॉ. इशिता, वृंदेश शुक्ला सहित पंकज चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

तापमान कम नहीं हुआ तो छा सकता है बिजली का संकट

प्रचंड गर्मी में फुंक रही है बिजली की केबल, ट्रांसफार्मर

गर्मी नहीं सह पा रहे उपकरण, जलने का बना रहता है खतरा

प्रतापगढ़। आसमान से बरस रही आग से धरती का टेंपरेचर इतना बढ़ गया है कि सारा जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जीव जंतु सभी बेहाल है। तापमान इतना है कि लोहा तप रहा है और प्लास्टिक से बनी चीजों में आग लग रही है। अगर तापमान ऐसे चरम पर बना रहा तो बिजली का संकट पैदा हो सकता है। लोड बढ़ने से ट्रांसफार्मर और केबल के फुंकने की संभावना पहले से अधिक बढ़ जाएगी।

जिले का तापमान 45 डिग्री से नीचे नहीं जा रहा है। इससे लगता है कि आसमान से धूप नहीं आग बरस रही है। सड़कें तवे के माफिक जल रही हैं। घरों में राहत नहीं है। दीवारें और छत भट्टी जितना तप रही है। गर्मी में खुले में रखे बिजली के ट्रांसफॉर्मर के अंदर का तेल इतना गरम हो जाता है कि वह अंदर और बाहर दोनो की गर्मी को बर्दाश्त नहीं कर पाता और जलने लगता है। इन दिनों इस तरह की घटनाएं शहर में बढ़ गई हैं। पिघल कर जम्फर टूट रहे हैं। शहर में जगह जगह केबल खुद ही जल जा रही है। सियाराम कालोनी में रेल कर्मी रवि सिन्हा के घर की केबल में रात में अचानक से आग लग गई और जलने लगी। जानकारी होने पर बिजली वालों ने बिजली काट दी। मालगोदाम रोड का ट्रांसफार्मर ने धुआं देना शुरू कर दिया।

गर्मी से गुल हो रही बिजली–

बेतहासा बढ़ती गर्मी बिजली के उपकरणों को जला दे रही है। जिसके कारण आपूर्ति ठप हो रही है। इसे अघोषित कटौती कह सकते हैं। जब कहीं तार, जमफर टूटने, ट्रांसफार्मर फुकने की समस्या आती है तो बिजली सप्लाई बंद करनी पड़ती हैं। स्टॉफ का कहना है कि उसके बिना काम करना संभव नहीं हो पाता हैं।

क्या कहते हैं अधिकारी–

तापमान के बढ़ने से बिजली की आपूर्ति बढ़ गई है। लोड बढ़ने और गर्मी की वजह से ट्रांसफॉर्मर और तार जल जा रहे हैं। इसके लिए बिजली काटना मजबूरी बन जाता है। बिना उसके उपकरण बनेंगे नहीं। तापमान में गिरावट बिजली के लिए फायदेमंद है।

संदीप कुमार मौर्य, अभियंता रूपापुर उपकेंद्र, प्रतापगढ़।

तहसील दिवस में सीआरओ ने राजस्वकर्मियों को दी नसीहत

कहा समस्याओं का निस्तारण मौके पर करते तो इतनी गर्मी में फरियादी क्यों यहॉ आते

प्रतापगढ़। पट्टी तहसील दिवस में शनिवार को 180 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण के लिए पहुंचे। फरियादियों की मामूली समस्याओं को देखकर मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश गुप्ता राजस्वकर्मियों पर काफी नाराज हुए। उन्होंने लेखपाल व राजस्व निरीक्षकों को नसीहत देते हुए कहा कि जिन समस्याओं का निस्तारण मौके पर हो सकता है। आप लोगों की उदासीनता के कारण इतनी गर्मी में लोगों को यहॉ आना पड़ रहा है। इस समय खेत खलिहान खाली हैं। छोटी मोटी फसाद को वहीं पर हल किया जा सकता है। उन्होंने जिम्मेदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार की मंशानुसार पूरी निष्ठा से जनता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। कार्यों में लापरवाही क्षम्य नहीं है। सीआरओ ने लापरवाह राजस्वकर्मियों को कार्यवाही की सख्त चेतावनी दी। तहसील दिवस में ज्यादातर मामले जमीनी विवाद से जुड़े आए। मुख्य राजस्व अधिकारी ने राजस्वकर्मियों को एक सप्ताह के भीतर फसाद को सुलझाने का मौका दिया। कहा कि दोबारा छोटी मोटी शिकायतें यदि आई तो संबंधित के खिलाफ कार्यवही की जाएगी। कुछ मामलों में राजस्व व पुलिस की टीम गठित कर मौके पर जाकर गुणदोष के आधार पर निस्तारण करने के आदेश दिए। इस मौके पर एएसपी दुर्गेश कुमार सिंह, सीओ पट्टी समेत अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

समस्याओं को लेकर अधिवक्ताओं ने की नारेबाजी, समाधान दिवस में सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़, लालगंज। सर्किल क्षेत्र में चोरी की ताबडतोड घटनाओं को लेकर नाराज वकीलों ने समाधान दिवस में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह तथा महामंत्री सूर्यकांत निराला की अगुवाईओ में समस्याओं के समाधान न होने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। वकीलों ने डीएम को संबोधित चार सूत्रीय मांग पत्र नायब तहसीलदार पंकज कुमार को सौंपा। पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि पुलिस की लापरवाही से चोरी की रोज हो रही घटनाओं से लोगों में भय व्याप्त हो गया है। अधिवक्ता अनिल त्रिपाठी महेश ने कहा कि पुलिस क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर केस दर्ज नहीं कर रही है। ज्ञापन में सांगीपुर में संचालित हो रहे चकबंदी कार्यालय को तहसील परिसर में संचालित कराए जाने की मांग की। लेखपालों की तहसील में गैरहाजिरी से वकीलों ने नाराजगी जताई। नहरों में पानी न आने से धान की नर्सरी पर पड़ रहे असर की भी समस्या उठाई गयी है। अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में घूम घूम कर नारेबाजी करते हुए समाधान दिवस में पहुंचे। नायब तहसीलदार ने समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया है। इस मौके पर विभाकर नाथ शुक्ल, दिनेश मिश्र, बीडी पटेल, संतोष पाण्डेय, सुशील शुक्ल, मस्तराम पाल, रामलगन यादव, ओपी जायसवाल, संदीप तिवारी, सुमित त्रिपाठी, जान्हवी प्रताप सिंह, अरविंद तिवारी, नामवर सिंह समेत दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे।

कोटेदार की बिगड़ी तबीयत, मौत

प्रतापगढ़, हथिगवां। थाना क्षेत्र के पूरे डीह गांव निवासी 82 वर्षीय हीरालाल तिवारी गांव के कोटेदार हैं। शुक्रवार शाम अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी तो परिजन पहले हथिगवां बाजार में ही निजी चिकित्सक के पास ले गए। लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर डॉक्टर ने स्वरुप रानी अस्पताल प्रयागराज रेफर कर दिया।

संक्षिप्त

तीसरे दिन हुआ मृतक का अंतिम संस्कार, नहीं मिले हत्या के सुराग

प्रतापगढ़, लालगंज। उदयपुर थाना क्षेत्र के सेमरा गांव में किशोर की हत्या को लेकर तीसरे दिन शनिवार को भी पुलिस के हाथ खाली रहे। वहीं परिजनों ने शनिवार की शाम मृतक किशोर अजय का गांव के बगल ही खेत में अंतिम संस्कार कर दिया। सेमरा गांव के अखिलेश के पुत्र अजय गुप्ता 17 की गुरूवार की रात गांव से कुछ दूर पहले अज्ञात आरोपियों ने अपहरण कर धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी थी। मृतक के पिता की तहरीर पर गांव के नामजद आरोपी समेत दो के खिलाफ हत्या का केस दर्ज हुआ है। ठेले पर लाई चना बेंचने वाले किशोर की हत्या को लेकर पुलिस खुलासे के निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी है। पुलिस घटना को प्रेम प्रसंग के एंगल से भी जांच कर रही है। पडोसी जिले की एक युवती पिछले एक माह से मृतक के घर रह रही थी। ऐसे में पुलिस उस युवती के भी फोन को सर्विलांस पर लेकर घटना से जुड़े क्लू पड़ताल कर रही है। हत्याकाण्ड को लेकर उदयपुर पुलिस संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शनिवार को दोपहर बाद मृतक अजय के परदेशी भाई के घर पहुंचने पर परिजन घर से पांच सौ मीटर दूर उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

चोरी की हर रोज हो रही घटनाएं, नहीं हुआ खुलासा

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से हडकंप मचा है। कोतवाली के पूरे अनिरूद्ध ओझा का पुरवा निवासी कलाधर तिवारी की पत्नी सरिता तिवारी ने पुलिस को तहरीर देकर कहा कि वह इन दिनों मायके गयी थी। शुक्रवार की शाम ससुराल पहुंची तो घर के मेन गेट का कुण्डा टूटा पाया। चोरों ने घर से दस हजार नकदी, सोने व चांदी के जेवरात समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। पिछले दस दिनों में लालगंज इलाके में दर्जन भर से अधिक चोरियां हो चुकी हैं। यही स्थिति शहर में भी है। शहर में भी बैंड कई घरों के ताले तोड़कर लाखों की चोरियां हो चुकी है। इन दिनों जिले में चोरी की घटनाओं में बाढ़ सी आ गयी है। पुलिस एक भी चोरी की घटना का खुलासा नहीं कर सकी है। घटना के बावत पूंछने पर पुलिस रटा रटाया जवाब देती है।

योग सप्ताह दिवस का शुभारंभ, लोगों ने किया योगाभ्यास

प्रतापगढ़। भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, सीडीओ नवनीत सेहारा ने कम्पनी गार्डेन में 15 से 21 जून तक चलने वाले योग सप्ताह दिवस कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियो, कर्मचारियों व लोगों ने विभिन्न योगासन किया। योग प्रशिक्षक द्वारा वृक्षासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, दण्डासन, भद्रासन, वज्रासन, कपालभाति, नाड़ी शोधन, ध्यान मुद्रा, भ्रामरी प्राणायाम, शलभ आसन, मकराआसन, पवनमुक्तासन, भुजंगासन, शीतली प्राणायाम, उष्ट्रासन, ग्रीवा चालन, स्कन्ध संचालन, ताड़ासन आदि का योगाभ्यास करा कर उसके लाभों के बारें में बताया। इस अवसर पर सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य, डा0 जयराम यादव, डा0 ममता सचान, डा0 रंगनाथ शुक्ला, डा0 ब्रम्हानन्द, डा0 आकांक्षा, आकाशदीप मिश्रा, आयुष विभाग के चिकित्साधिकारी समेत बड़ी संख्यां में लोग उपस्थित रहे।

डीएम एवं एसपी ने सुनी शिकायतें, लेखपाल को निलंबन के निर्देश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में तहसील रानीगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। रानीगंज तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 260 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये। जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल एवं विकास विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा द्वारा सुना गया। वरासत न दर्ज करने पर डीएम ने शिकायतकर्ता साबिरा पत्नी स्व0 इन्सान अली की शिकायत पर क्षेत्रीय लेखपाल दिनेश मिश्रा के निलबंन का आदेश दिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों, लेखपालों एवं कानून–गो सख्त लहजे में कहा कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये। शिकायतकर्ता को पूर्णरूप से संतुष्ट किया जाये। अधिकारियों से कहा कि वह अपने अधीनस्थों पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता को देखें।

पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने सभी थानाध्यक्षों से कहा कि प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और प्रत्येक दशा में पीड़ित को न्याय मिले। इस अवसर पर जिले के संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सुलतानपुर पुलिस ने चोरों को किया गिरफ्तार, सामान बरामद

प्रतापगढ़। सुल्तानपुर जिले के कादीपुर बाजार में 15 दिनों पूर्व इलेक्ट्रॉनिक दुकान में हुई चोरी का माल पट्टी थाना क्षेत्र के सदहा बाजार में कादीपुर थाने की पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने माल बरामद करते हुए खरीददार को भी हिरासत में ले लिया। जिले के आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के महदौरा निवासी संजय ने सुल्तानपुर के कादीपुर बाजार से चोरी हुआ सामान सदहा बाजार में भेजा था। इसमें एक रेफ्रिजरेटर दस हजार रुपये में बेचा गया था। एक एलईडी टीवी दुकान पर रखकर चला गया था। सामान बेचने वाले युवक ने बताया था कि दूसरे दिन आकर ले जाऊंगा। पुलिस इस मामले के खुलासे में लगी हुई थी। जिस ऑटो से सामान लाया गया था उस चालक को कादीपुर पुलिस ने पकड़ लिया। उसे साथ लेकर उपनिरीक्षक सगीर मुहम्मद पुलिस कर्मियों की टीम के साथ सदहा बाजार पहुंचे। उन्होंने इसकी सूचना सदहा चौकी इंचार्ज अतर सिंह को भी दी। पुलिस ने सामान खरीदने वाले धीरेंद्र प्रताप पुत्र चंदन यादव के साथ ही पट्टी पुलिस ने माल की चोरी में शामिल चोर को कादीपुर पुलिस को सौंप दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में बाजार के लोग पुलिस कार्यवाही देखते रहे।

गंगा दशहरा पर गंगा घाटों की हुई सफाई

प्रतापगढ़, कुण्डा। गंगा दशहरा मेले में हौदेश्वरनाथ गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ गंगा स्नान और पूजन अर्चन को जुटती है। शनिवार को मंदिर ट्रस्ट और मानिकपुर नगर पंचायत की ओर से गंगा घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। ताकि रविवार को गंगा दशहरा के मौके पर गंगा घाटों पर मेला लग सके। दशहरा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो इसके लिए गंगा घाटों पर शनिवार को स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी सफाई अभियान चलाया। मानिकपुर स्थित शाहबाद घाट पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आशुतोष जायसवाल डिम्पू की अगुवाई में सिद्धपीठ मां ज्वालादेवी मंदिर तक सफाई की गई। इसी प्रकार हौदेश्वरनाथ धाम में गंगा घाट से लेकर मौनी बाबा आश्रम, भगवान भोलेनाथ के मुख्य मंदिर तक मेला परिसर में ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने साफ सफाई की।

स्विट्जरलैंड में जुटे भारत समेत विश्व के 100 प्रतिनिधि, स्विस शांति वार्ता से रुकेगा रूस–यूक्रेन युद्ध?

रूस और यूक्रेन के बीच बीते दो साल से भी ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। फिलहाल इस संघर्ष के रुकने के संकेत भी नहीं हैं। ऐसे समय में दुनियाभर के 100 से अधिक नेता रूस–यूक्रेन संघर्ष के लिए शांति योजना बनाने के लिए शनिवार को स्विट्जरलैंड में जुटे हैं। इस जमावड़े में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और यूरोपीय संघ, दक्षिण अमेरिकी, मध्य पूर्व और एशियाई देशों के राष्ट्रपति या प्रमुख भी शामिल हैं। यह रूस–यूक्रेन के लिए शांति योजना बनाने के अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी प्रयासों में से एक है। इसी साल मार्च में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भारत को भी औपचारिक शांति शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया था। जनवरी 2024 में स्विस सरकार ने घोषणा की थी कि देश रूस–यूक्रेन युद्ध के शांति फॉर्मूले पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब इटली में एकत्रित जी–7 के नेता ने यूक्रेन के लिए 50 बिलियन यूरो के ऋण के लिए एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किया है। ऋण को 2022 में रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोपीय संघ और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा फ्रीज की गई रूसी केंद्रीय बैंक की परिसंपत्तियों पर ब्याज से होने वाले लाभ के जरिए सुरक्षित किया जाएगा। दो दिवसीय शांति सम्मेलन ल्यूसर्न के बाहर लक्जरी बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में आयोजित किया जा रहा है। इसमें युद्ध को समाप्त करने के लिए यूक्रेन की प्रस्तावित 10 सूत्री योजना पर चर्चा की जाएगी।

मोदी–मेलोनी की 'मेलोडी' मुलाकात का विश्लेषण, इटली दौरे पर क्या–क्या हुआ ?

तीसरे कार्यकाल के पहले विदेशी दौरे में पीएम मोदी ने इटली के अपुलिया में कदम रखें। जहां मेजबान इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने गर्मजोशी के साथ एक दूसरे का स्वागत किया। दोनों ने हाथ जोड़कर एक दूसरे का अभिवादन स्वीकार किया और हंसते हुए एक दूसरे का हाल चाल जाना। फिर फोटो का इंतजार कर रहे कैमरों को हाथ समेट कर पोज दिया। इस दौरान भी जॉर्जिया मेलोनी पीएम मोदी से लगातार सवाल करती रही और पीएम मोदी भी हंसते हुए जवाब देते हुए नजर आए। विश्व मंच पर ये पहली बार नहीं कि जब पीएम मोदी और मेलोनी गर्मजोशी से मिले हो। आपको जार्जिया मेलोनी की ली गई 6 महीने पुरानी सेल्फी याद होगी। जिसके कैप्शन ने इंटरनेट सनसनी मचा दी थी। मेलोनी ने इसके कैप्शन में लिखा था गुड फ्रेंड्स एट कॉप 2024, हैशटैग मेलोडी। यानी मेलोनी और मोदी। दोस्ती के इस पैगाम पर पीएम मोदी का जवाब आया और लिखा कि दोस्तों से मिलना हमेशा अच्छा होता है। पिछले साल जब भारत ने पहली बार जी20 की अध्यक्षता की थी तो इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी दिल्ली पहुंची थी और कोणार्क बैकग्राउंड पर दोनों की जुगलबंदी ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

बढ़ते हुए वक्त के साथ मोदी और मेलोनी की दोस्ती भी गहरी होती गई जो आज एक बार फिर इटली के अपुलिया में महसूस किया गया। जॉर्जिया मेलोनी के अलावा पीएम मोदी ने जी7 में और भी राष्ट्रध्यक्षों से मुलाकात की है। दुनिया के दो महाशक्तियों यानी भारत के प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन एक दूसरे से मिले। मोदी और बाइडेन गर्मजोशी से एक दूसरे से मिले।

रक्षा, परमाणु, अंतरिक्ष, शिक्षा पर मैक्रों से बात

इससे पहले पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। इस दौरान मैक्रों ने गर्मजोशी के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया। जी7 के बैनर तले दोनों की द्विपक्षीय वार्ता हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से मुलाकात कर रक्षा, परमाणु और अंतरिक्ष के क्षेत्रों समेत सामरिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार–विमर्श किया। दोनों नेताओं की मुलाकात इटली के दक्षिणी शहर बारी में जी–7 शिखर सम्मेलन से इतर हुई।

सुनक से मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटेन के अपने समकक्ष ऋषि सुनक से मुलाकात की और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के अपने तीसरे कार्यकाल में भारत–ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता में हुई प्रगति की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने अपुलिया के रिसॉर्ट बोर्गो एग्नाजिया में 50वें जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान गले मिलकर एक–दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया। मोदी ने इस मुलाकात के तुरंत बाद 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इटली में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मिलकर बहुत खुशी हुई। मैंने राजग सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत–ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।'' मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी और व्यापार जैसे क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत करने की काफी संभावनाएं हैं। हमने रक्षा क्षेत्र में संबंधों को और मजबूत करने के बारे में भी बात की।

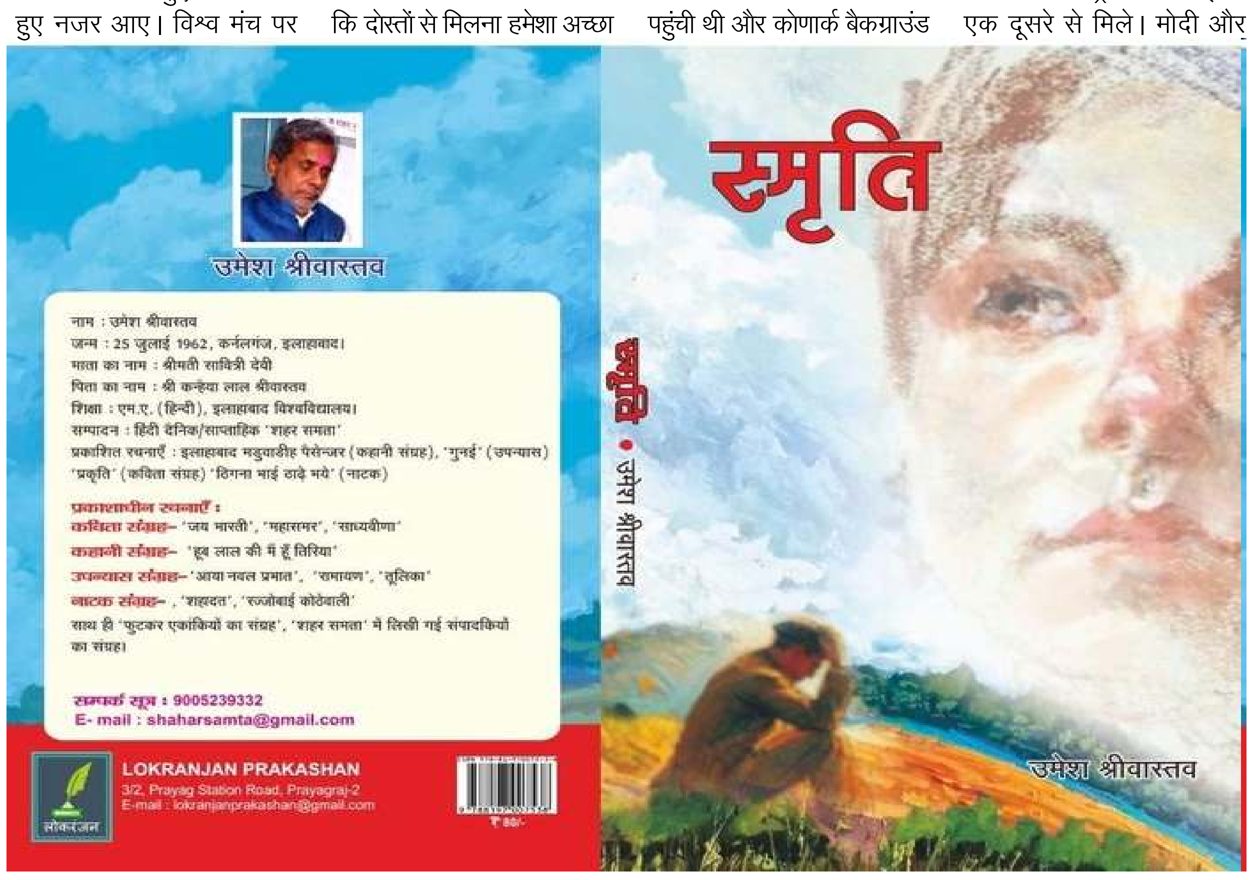

पीएम मोदी ने इटली में जी7 शिखर सम्मेलन की झलकियां शेयर की

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इटली में जी7 शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी के मुख्य अंश साझा किए और कहा कि उन्होंने विश्व मंच पर भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। पीएम मोदी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में इटली के अपुलीया शहर

में जी7 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल पर इतालवी पीएम जियोर्जिया मेलोनी के स्वागत सहित इटली की उनकी यात्रा के मुख्य आकर्षण की झलक दिखाई गई है। मेलोनी ने पीएम मोदी का श्नमस्तेश के साथ स्वागत किया और फिर दोनों नेताओं ने कैमरे के सामने तस्वीर खिंचवाई। वीडियो में ळ7 शिखर सम्मेलन के इतर यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की, ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक, जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ पीएम मोदी की द्विपक्षीय बैठकों के क्षण दिखाए गए हैं। वीडियो में पीएम मोदी को पोप फ्रांसिस के साथ बातचीत करते हुए देखा जा सकता है और वे साथ–साथ चलते हुए भी बातचीत कर रहे हैं। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़, कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ–साथ ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सहित अन्य विश्व नेताओं के साथ भी बातचीत की। जी7 शिखर सम्मेलन से इतर उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी बातचीत की। वीडियो में पीएम मेलोनी द्वारा पीएम मोदी के साथ सेल्फी लेने का क्षण भी शामिल है। वीडियो को अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर साझा करते हुए पीएम मोदी ने लिखा एक महत्वपूर्ण जी7 शिखर सम्मेलन विश्व मंच पर भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। गौरतलब है कि पीएम मोदी इटली के पीएम जियोर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद शनिवार को दिल्ली लौट आए।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक। दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

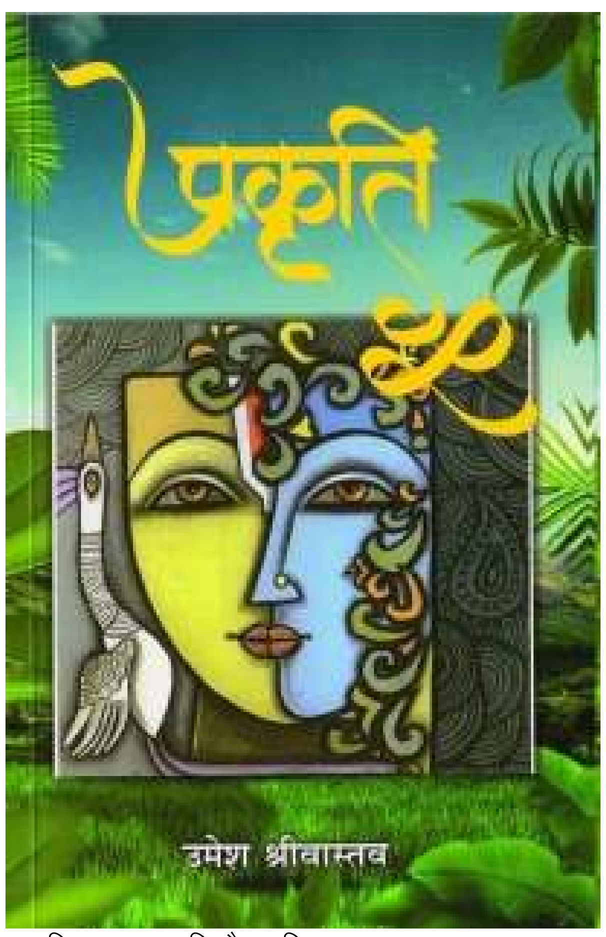

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

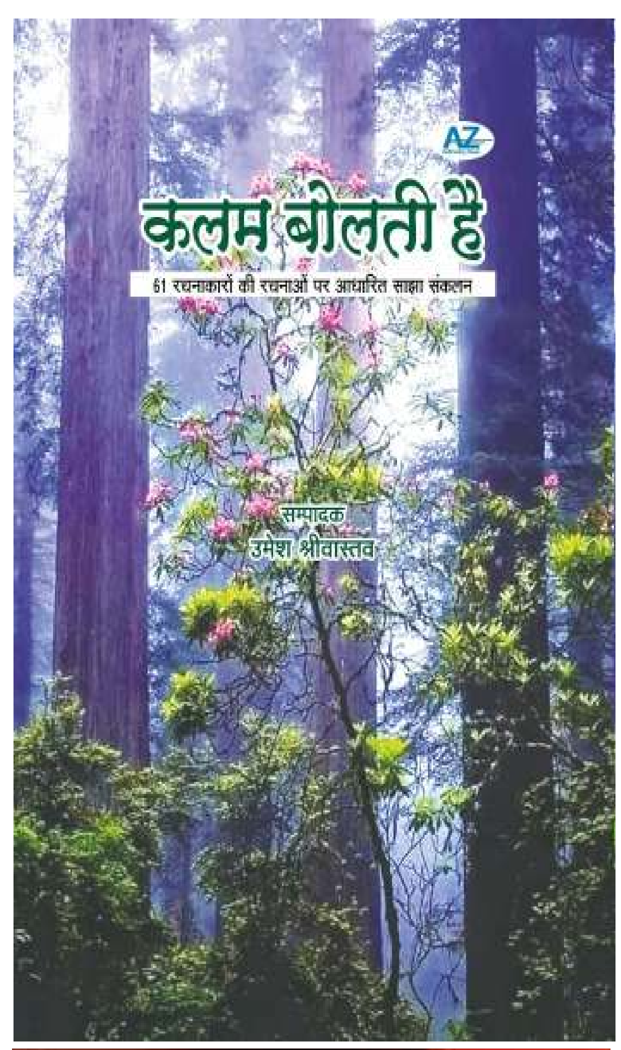

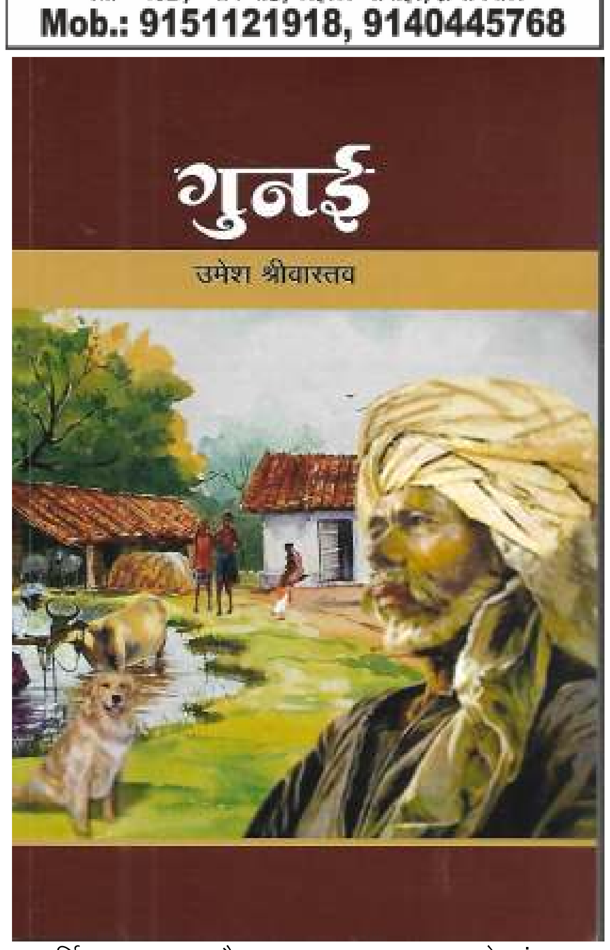

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

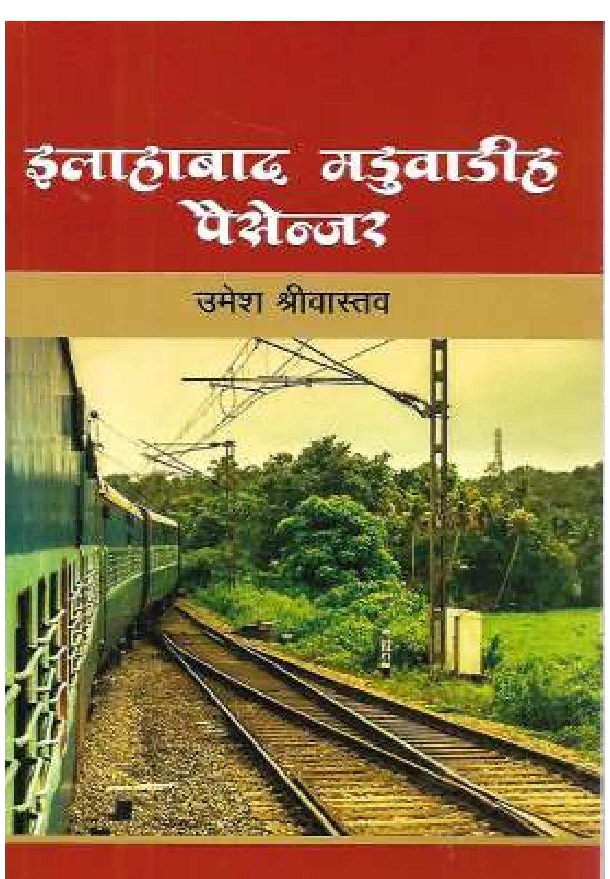

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

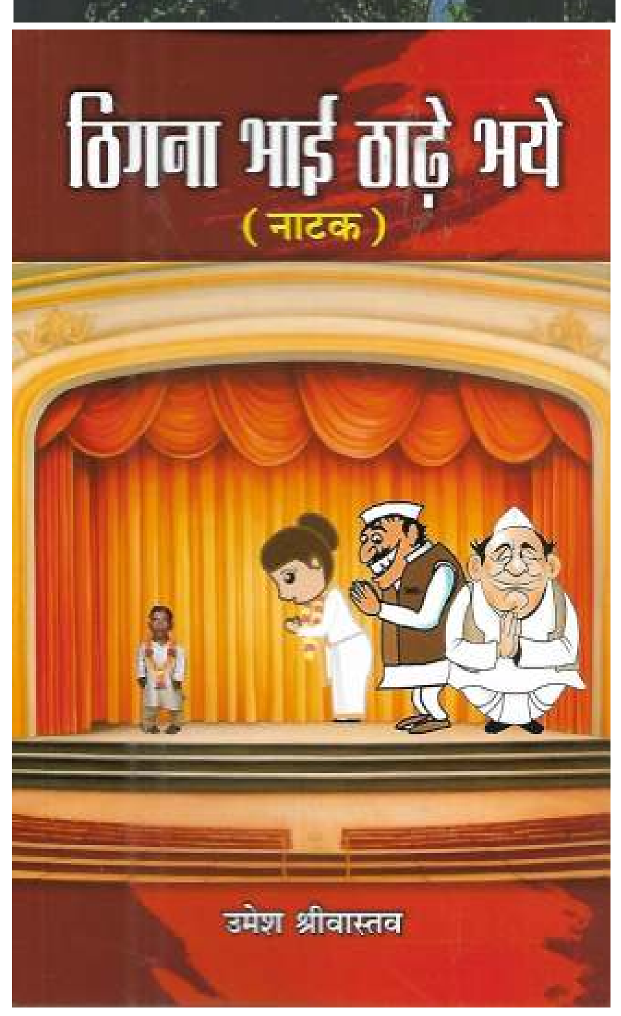

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ओरेगन में झूले में खराबी आने के बाद हवा में लटके 30 लोगों को सुरक्षित बचाया गया

इसने कहा कि झूले पर सवार सभी लोगों को नीचे उतार लिया गया और सभी लोग सुरक्षित हैं। पास के अन्य झूले पर सवार लोगों ने घटना का वीडियो बनाया जिसमें 'एटमॉसफियर' नामक झूला हवा में रुका हुआ दिखाई देता है। अमेरिका के ओरेगन राज्य में आपात सेवा के कर्मियों ने एक विशाल झूले में खराबी आने के कारण बीच हवा में करीब आधे घंटेतकलटके रहे 30 लोगों को सुरक्षित बचा लिया। यह झूला एक दशक पुराने 'एम्यूजमेंट पार्क' में लगा हुआ था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।